ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज

आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -25 | दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 19 फरवरी से 25 फरवरी 2026 (प्रत्येक गुरूवार) | पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

संक्षिप्त समाचार

यूजर्स की प्राइवेसी पर एससी की नजर

नईदिल्ली। मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक और उसकी मैसेजिंग सेवा व्हाट्सऐप की प्राइवेसी पॉलिसी से जुड़े विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को अहम सुनवाई होने जा रही है। दोनों कंपनियों ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा लगाए गए 213.14 करोड़ रुपये के जुर्माने को चुनौती दी है। इस मामले पर शीर्ष अदालत की नजरें टिकी हुई हैं क्योंकि इसका असर डिजिटल गोपनीयता और डेटा संरक्षण से जुड़े व्यापक मुद्दों पर पड़ सकता है।

टॉप कंपनियों की मार्केट कैप में 63,000 करोड़ का उछाल

नईदिल्ली। शेयर बाजार में बीते सप्ताह सीमित तेजी देखने को मिली, लेकिन इसके बावजूद देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह की कुल बाजार पूंजीकरण में उल्लेखनीय इजाफा दर्ज किया गया। इन कंपनियों की संयुक्त मार्केट वैल्यू करीब 63,478 करोड़ रुपये बढ़ गई। इस बढ़त में सबसे अहम योगदान इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की दिग्गज कंपनी बीएसई सेंसेक्सऔर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक का रहा। सप्ताह के दौरान 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 187.95 अंकों की बढ़त के साथ 0.22 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। बाजार में आई इस हल्की तेजी का सकारात्मक असर कुछ बड़ी कंपनियों के मूल्यांकन पर साफ दिखाई दिया।

दिल्ली से मेरठ का सफर होगा आसान

नईदिल्ली। उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर को आज बड़ी परिवहन सौगात मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को नमो भारत ट्रेन और मेरठ मेट्रो सेवाओं का शुभारंभ करेंगे। इस दौरान वह एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे और कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास करेंगे। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री सुबह करीब 11 बजे हिंडन हवाई अड्डा पहुंचेंगे। इसके बाद वे हेलिकॉप्टर से मेरठ के लिए रवाना होंगे।

भुवनेश्वर में शुरू हुआ आरबीआई का हाई-टेक टियर आईवी डेटा सेंटर

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने ओडिशा में एक नया हाई-सिक्योरिटी डेटा सेंटर तैयार कर लिया है। यह सुविधा खास तौर पर उन जगहों से दूर बनाई गई है जहां सीमा पार से कोई खतरा हो सकता है या भूकंप का जोखिम ज्यादा है। इसका मकसद देश की अहम वित्तीय व्यवस्था को और मजबूत बनाना है ताकि कोई भी मुश्किल हालात में भी काम रुके नहीं। भुवनेश्वर के पास इंफो वैली-टू, खोरधा में 18.55 एकड़ में फैला यह ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट 2023 में शुरू हुआ था।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुनी मन की बात की 131वीं कड़ी

देश के कोने-कोने की सकारात्मक पहल को सामने लाता है मन की बात : मुख्यमंत्री

पहुना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 131वें एपिसोड का श्रवण किया।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, विधायक श्री प्रबोध मिंज, छत्तीसगढ़ बेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्री श्रीनिवास मद्दी, छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला, श्री अखिलेश सोनी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कार्यक्रम देशवासियों को सकारात्मक सोच, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने वाला सशक्त संवाद बन चुका है। उन्होंने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के कोने-कोने में हो रहे प्रेरक प्रयासों और असाधारण उपलब्धियों को सामने लाने वाला मंच है, जो समाज में सेवा, नवाचार और सहभागिता की भावना को मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि सभी लोग प्रत्येक माह इसके प्रसारण का बेसब्री से इंतजार करते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमता और भविष्य की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए देश को नई दिशा का संदेश दिया है। हाल ही में दिल्ली में आयोजित ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट में भारत की तकनीकी शक्ति को विश्व ने सराहा और मेड इन इंडिया के तीन एआई मॉडल लॉन्च होना देश की नवाचार क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भी नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से तकनीकी नेतृत्व की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कृषि क्षेत्र में देश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत में धान की 500 से अधिक किस्मों की खेती हो रही है और देश विश्व का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बन चुका है।

कांग्रेस, सपा, बसपा कर रहीं जहरीली राजनीति हिम्मत है तो विकास के मुद्दे पर लड़ें : पीएम मोदी

मेरठ (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मेरठ को नमो भारत रैपिड रेल और मेरठ मेट्रो की बड़ी सौगात दी। दोनों नेताओं ने दिल्ली के सराय काले खां से मोदीपुरम तक 82 किलोमीटर लंबे रैपिड कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान मेरठ के मोहीउद्दीनपुर में आयोजित जनसभा में पीएम मोदी ने कांग्रेस और अन्य दलों पर जमकर निशाना साधा।

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने कांग्रेस, सपा और बसपा को कहा था कि अपनी जहरीली राजनीति छोड़िए और आइए विकास के मुद्दे पर मुकाबला करके देखते हैं। लेकिन इन दलों ने अपनी जहरीली राजनीति नहीं बदली।

भाजपा ने अपनी विकास की नीति को हमेशा सर्वोपरि रखा। इसका एक उदाहरण हमारी मेट्रो भी है। 2014 से पहले यानी कांग्रेस सरकार के समय में चार-पांच शहरों में मेट्रो थी, आज 25 से ज्यादा शहरों में मेट्रो चलने लगी है। मोदी ने कहा कि जब देश में कांग्रेस की सरकार थी, तो ये सब संभव ही नहीं था।

तब इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों में गुम हो जाते थे। मेट्रो जैसी अधिकतर टेक्नोलॉजी हमें विदेशों से आयात करनी पड़ती थी। हमने घोटाले बंद किए। देश को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया। मेरठ और पश्चिम यूपी वालों का जीवन बदलने वाला है। अब एक ही स्टेशन से, एक ही ट्रैक पर नमो भारत और मेट्रो रेल चलेगी।

कांग्रेस अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी

पीएम मोदी ने कहा कि हम तो वो लोग हैं, जो गांव में किसी के यहां शादी होती है तो पूरा गांव उसे सफल बनाने में जी-जान से जुट जाता है। ताकि मेहमान गांव की अच्छी छवि लेकर जाएं। कांग्रेस तो अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी है। कांग्रेस के नेताओं को मोदी से नफरत है। हम इसे भी सहन कर लेंगे। लेकिन कांग्रेस को याद रखना चाहिए था कि ये एआई ग्लोबल समिट भाजपा का कार्यक्रम नहीं था, न ही उस समय भाजपा का कोई नेता वहां था।

मुख्यमंत्री साय ने भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत का किया आत्मीय स्वागत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत के छत्तीसगढ़ आगमन पर पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने माननीय मुख्य न्यायाधीश को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के प्रतीक स्वरूप राजकीय गमछा, विश्वविख्यात बस्तर दशहरा पर आधारित कॉफी टेबल बुक तथा बेल मेटल से निर्मित भगवान श्रीराम एवं माता शबरी की आकर्षक प्रतिकृति भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी. नरसिम्हा एवं न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा तथा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश

न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उल्लेखनीय है कि भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने हेतु छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर लगा ब्रेक

ट्रंप के नए टैरिफ विवाद के बीच अहम बैठक टली

नई दिल्ली (ए)। भारत और अमेरिका के बीच होने वाली अंतरिम व्यापार समझौते (ट्रेड डील) पर बातचीत फिलहाल टल गई है। दोनों देशों के मुख्य वार्ताकारों की जो अहम बैठक 23 फरवरी से वॉशिंगटन में शुरू होने वाली थी, उसे अब आगे की तारीख के लिए टाल दिया गया है।

तीन दिन तक व्यापार वार्ता पर होना था मंथन

इस बैठक में भारत की ओर से वाणिज्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव दर्पण जैन मुख्य वार्ताकार थे और भारतीय टीम तीन दिन तक अमेरिका में चर्चा करने वाली थी। इस बैठक का मकसद अंतरिम व्यापार समझौते के कानूनी

दस्तावेज को अंतिम रूप देना था। दरअसल, यह पूरा मामला अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ फैसलों से जुड़ा हुआ है।

ट्रंप ने हाल ही में सभी देशों पर पहले 10% और फिर बढ़ाकर 15% तक आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है। इससे पहले अमेरिका ने 2025 में भारत पर कुल 50% तक टैरिफ लगा दिया था, जिसमें से 25% पहले ही हटाया जा चुका है।

ट्रंप के टैरिफ को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने बताया अवैध

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल में ट्रंप के पुराने टैरिफ फैसलों को अवैध बताया था और कहा था कि राष्ट्रपति ने अपने अधिकारों से ज्यादा कदम उठाए।

अगले महीने होना था ट्रेड डील पर हस्ताक्षर

दोनों देशों ने पहले ही इस साल मार्च तक अंतरिम ट्रेड डील पर हस्ताक्षर करने और अप्रैल से उसे लागू करने का लक्ष्य रखा था। यह समझौता भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और भारत के करीब 18त्न निर्यात अमेरिका को जाते हैं। 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल व्यापार करीब 186 अरब डॉलर का रहा था।

इसी वजह से अब व्यापार नीति को लेकर स्थिति थोड़ी अनिश्चित बनी हुई है। अगर नई 15% ड्यूटी लागू होती है, तो यह पहले से लगने वाले आयात शुल्क के ऊपर लगेगी। यानी किसी उत्पाद पर अगर पहले 5% ड्यूटी है, तो कुल मिलाकर वह 20% हो जाएगी।

किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, जैश के शीर्ष कमांडर समेत दो आतंकी ढेर

जम्मू। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छात्रू क्षेत्र में आज सुरक्षाबलों और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। जिसमें संगठन का शीर्ष कमांडर समेत दो आतंकवादी मारे गए। सूत्रों के अनुसार कमांडर ने पहले भी कई बार सुरक्षा बलों को चकमा दिया था। मुठभेड़ के दौरान आतंकियों की ओर से भारी गोलीबारी की गई, लेकिन सुरक्षा बलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आतंकियों को ठिकाने लगाया। इस संयुक्त ऑपरेशन में जम्मू और कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना, सीआरपीएफ, और 2 पैरासाफोर्स शामिल थे। सेना के व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि सुरक्षा बलों ने रणनीतिक सटीकता और पूर्ण समन्वय के साथ मुठभेड़ स्थल पर नियंत्रण किया। इस कार्रवाई में दो आतंकवादी सफलतापूर्वक निष्क्रिय किए गए और उनके पास से 2 एके-47 राइफलें और 5 एके मैगजीन बरामद हुई। सुरक्षा बलों ने इलाके को पूरी तरह से घेर लिया है और अभी भी यह सुनिश्चित करने के लिए तलाशी अभियान जारी है कि क्षेत्र में कोई और आतंकवादी मौजूद न हों।

देश के प्रत्येक व्यक्ति को जनजातीय इतिहास को जानना चाहिए : न्यायमूर्ति सूर्यकांत

छत्तीसगढ़ का शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय अद्वितीय

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने नवा रायपुर में बने देश का पहला डिजिटल संग्रहालय का किया अवलोकन

रायपुर। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने आज राजधानी नवा रायपुर के आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में बने देश के पहले डिजिटल संग्रहालय का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का यह जनजातीय संग्रहालय अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को जनजातीय इतिहास और संस्कृति से वाकिफ होना चाहिए।

चीफ जस्टिस ने छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अंदोलनों और शौर्य गाथाओं पर संग्रहालय में बने प्रत्येक गैलरी को निकट से देखा। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय में जनजातीय आंदोलनों की स्मृतियां लोगों को शोषण एवं अन्याय के खिलाफ एक जुट होने और उसका प्रतिकार करने के लिए प्रेरित करेंगी।

आदिमजाति विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणी बोरा ने जनजातीय संग्रहालय पहुंचे सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस पी.एस.नरसिम्हा, जस्टिस प्रशांत कुमार और हाईकोर्ट बिलासपुर के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा, राजस्थान के चीफ जस्टिस कल्पथी राजेंद्रन श्रीराम सहित अन्य न्यायाधीश गण का बीरनमाला से आत्मीय स्वागत करने के साथ ही उन्हें स्मृति स्वरूप जनजातीय जीवन पर आधारित भित्ती चित्र भेंट किया।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने जनजातीय संग्रहालय के अवलोकन के दौरान चीफ जस्टिस श्री सूर्यकांत सहित अन्य न्यायधीश गणों को जनजातीय विद्रोहों की पृष्ठिभूमि और जनजातीय नायकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्री बोरा ने संग्रहालय के अलग-अलग गैलरियों में प्रदर्शित विद्रोहों को साल, साजा और महुआ के प्रतिकात्मक वृक्ष के पत्तों के जरिये समझाने का प्रयास किया गया है।

टी-20 वर्ल्डकप सुपर-8 मैच में इंग्लैंड 51 रन से जीता

श्रीलंका 95 रन पर ऑलआउट, विल जैक्स को 3 विकेट, सॉल्ट की फिफ्टी

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के दूसरे सुपर-8 मैच में श्रीलंका को 51 रन से हरा दिया। रविवार को कैंडी के पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी।

इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 146 रन बनाए। ओपनर फिल सॉल्ट ने 40 गेंदों पर 62 रन की तेज पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। विल जैक्स ने 21 रन का योगदान दिया, लेकिन बाकी बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सके। जवाब में श्रीलंका की शुरुआत खराब रही और टीम 16.4 ओवर में 95 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कप्तान दसुन शनाका ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए।

इंग्लैंड के लिए विल जैक्स ने 3 विकेट लिए। जोफ्रा आर्चर, आदिल रशीद और लियम डॉसन ने 2-2 विकेट चटकाए।

जैक्स प्लेयर ऑफ द मैच बने

ऑलराउंडर विल जैक्स ने 3 विकेट लेकर मैच श्रीलंका की तरफ मोड़ दिया। उन्होने बल्लेबाजी में 94 रन पर 5 विकेट गिरने के बाद 14 बॉल पर 21 रन की पारी खेलकर इंग्लैंड को 140 रन के पार पहुंचाया।

अखिलेश यादव ने दोनों डिप्टी सीएम को दिया खुला ऑफर, बोले-

अपने 100 विधायक लेकर आओ, सीएम बन जाओ

लखनऊ (ए)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक बार फिर प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम को मुख्यमंत्री बनने का ऑफर दिया है। गोरखपुर में इलाज के दौरान कथित लापरवाही से 19 लोगों की आंखों की रोशनी जाने की घटना पर योगी सरकार को घेरते हुए,

अखिलेश यादव ने पुरानी पेशकश को दोहराते हुए कहा, हम अपना ऑफर फिर से दोहराते हैं— 100 विधायक लाओ और मुख्यमंत्री बन जाओ। जो 100 विधायक साथ लाएगा, वह एक हफ्ते के लिए

मुख्यमंत्री बनेगा। उन्होंने संभवत: एक सप्ताह की बात इसलिए कही क्योंकि सीएम चार दिन के टूर पर जापान जा रहे हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी सरकार शंकराचार्य को अपमानित करने के लिए 20 साल पुरानी घटना को ढूंढ कर लाई है। यह पहली बार है जब शंकराचार्य को माघ मेले में गंगा स्नान करने से रोका गया। अखिलेश यादव रविवार को सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। जहां उन्होंने शंकराचार्य पर लगे यौन शोषण के मामले में हाईकोर्ट की ओर से एफआईआर दर्ज कराने के आदेश को लेकर बयान दिया।

उन्होंने कहा कि ...शंकराचार्य कई दिनों तक धरने पर बैठे रहे, उस समय सर्दी चरम पर थी। हमारे सनातनी व्यवस्था में कहीं किसी शंकराचार्य को स्नान से रोका नहीं गया होगा लेकिन यह पहली बार हुआ है कि उन्हें स्नान से भी रोका गया... अब यह सरकार शंकराचार्य को अपमानित करने के लिए 20 साल पुरानी घटना ढूंढ कर लाई... अगर यह(शिकायतकर्ता) उनका(रामभद्रचार्य) शिष्य है तो मुझसे गलती हुई है कि मैंने कभी रामभद्रचार्य पर जो मुकदमा था वह वापस लिया था, मुझे उन्हें जेल भेज देना चाहिए था। विचारों को लेकर झगड़े हो जाते हैं लेकिन आप इस स्तर तक चले जाएंगे कि आप ऐसे आरोप लगवाएंगे... इसलिए मैं कह रहा हूं कि यह सरकार अब बचने वाली नहीं है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद के खिलाफ केस दर्ज, झूंसी थाने में हुई एफआईआर

प्रयागराज (ए)। ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी के खिलाफ झूंसी थाने में एफआईआर दर्ज हो गई है। यह केस बच्चों के साथ यौन शोषण करने के आरोप में दर्ज किया गया है।

इसमें दो तीन अन्य को भी नामजद किया गया है। यह एफआआईर स्पेशल कोर्ट पॉक्सो एक्ट विनोद कुमार चौरसिया की अदालत के आदेश पर दर्ज हुआ है। शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य पर बच्चों का यौन शोषण

करने आरोप लगाते हुए कोर्ट अर्जी दाखिल की थी। जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने शनिवार को केस दर्ज करने का आदेश जारी किया था। जिसके बाद झूंसी थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। अब पुलिस बच्चों का मेडिकल परीक्षण कराने के साथ अन्य बिंदुओं पर जांच शुरू करेगी। इलाहाबाद जिला अदालत के आदेश पर झूंसी पुलिस ने ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद के खिलाफ दो बालकों के कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों की निष्पक्ष जांच के लिए एफआईआर दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। यह आदेश पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश विनोद कुमार चौरसिया की अदालत ने एक धर्मगुरु के शिष्य की ओर से बालकों के संरक्षक के रूप में दाखिल अर्जी पर पारित किया है। अर्जी में आरोप लगाया गया कि माघ मेला के दौरान गुरु सेवा के नाम पर दोनों बालकों का यौन शोषण किया गया। अदालत ने पुलिस आयुक्त प्रयागराज से विस्तृत आख्या तलब की थी।

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक की संयुक्त बैठक, दुर्घटना नियंत्रण हेतु व्यापक रणनीति तैयार

सड़क सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन सख्त

बेमेतरा। जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित व सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई एवं पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वित कार्ययोजना तैयार की गई।बैठक का मुख्य फोकस सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, नियमों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और अनुशासित बनाना रहा। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सड़क सुरक्षा को अभियान के रूप में संचालित किया जाए, जिसमें प्रशासन के साथ-साथ आम नागरिकों की सहभागिता भी सुनिश्चित हो।

जन जागरूकता, सख्त प्रवर्तन और आधारभूत सुधार पर जोर-'ब्लैक स्पॉट' सुधार, विशेष चेकिंग अभियान और संस्थागत भागीदारी के निर्देश 7 बैठक में दोपहिया वाहन चालकों द्वारा अनिवार्य रूप से हेलमेट उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सभी विभागों को अपने कार्यालयों में यातायात नियमों से संबंधित संदेश प्रदर्शित करने तथा कर्मचारियों को नियमों के पालन के लिए प्रेरित करने कहा गया। अधिकारियों से अपेक्षा की गई कि वे स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करें और समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश दें।

दुर्घटना संभावित स्थलों का चिन्हांकन-जिले में चिन्हित दुर्घटना संभावित स्थानों (ब्लैक स्पॉट्स) का पुनर्मूल्यांकन कर वहां आवश्यक सुधार कार्य जैसे चेतावनी संकेतक, स्पीड ब्रेकर, रंबल स्ट्रिप्स और रिफ्लेक्टर लगाने के निर्देश दिए गए। अंधेरे मोड़ों एवं व्यस्त मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने पर भी बल दिया गया 7 हेलमेट व सीट बेल्ट जांच अभियान को और प्रभावी बनाने, ओवरस्पीडिंग पर कड़ी कार्रवाई करने तथा जुर्माने की प्रक्रिया को नियमित रखने के निर्देश दिए गए। 'ड्रंक एंड ड्राइव' के विरुद्ध रात्रिकालीन विशेष अभियान चलाने तथा स्कूलों-कॉलेजों के आसपास सघन निगरानी रखने को कहा गया, जिससे नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन पर रोक लगाई जा सके। सड़क किनारे अवैध अतिक्रमण हटाने, क्षतिग्रस्त स्ट्रीट लाइट्स को दुरुस्त करने तथा मार्गों की चौड़ाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, आवारा पशुओं से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु नगर निकायों को सक्रिय भूमिका निभाने को कहा गया।स्कूलों, कॉलेजों तथा परिवहन क्षेत्र से जुड़े चालकों के लिए सड़क सुरक्षा कार्यशालाएं आयोजित करने की रूपरेखा भी तैयार की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि सड़क सुरक्षा को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जा सके। बैठक में स्पष्ट किया गया कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन ने इस दिशा में निरंतर निगरानी एवं नियमित समीक्षा की प्रतिबद्धता दोहराई।

विशेष गहन पुनरीक्षण 2026: तीनों विधानसभा क्षेत्रों में सुनवाई कार्य समय-सीमा में पूर्ण

2,46,763 मतदाताओं को जारी नोटिस पर सुनवाई व सत्यापन प्रक्रिया पूरी

बेमेतरा। निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत जिले के 03 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्र 68 साजा, 69 बेमेतरा एवं 70 नवागढ़ (अ.जा.) में नो मैपिंग एवं लॉजिकल एरर श्रेणी में चिन्हित कुल 2,46,763 मतदाताओं की सुनवाई का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर लिया गया है। प्रारंभिक प्रकाशन के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्तियों के निराकरण की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 21 फरवरी 2026 को मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की तैयारी की जा रही है। प्रारंभिक प्रकाशन के आंकड़े व तार्किक विसंगतियों पर कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप सार्वजनिक प्रकाशन एवं सुनवाई, 23 दिसम्बर 2025 को प्रकाशित प्रारंभिक मतदाता सूची के अनुसार जिले में कुल 7,16,635 मतदाता दर्ज थे। इनमें-विधानसभा 68 साजा क्र 2,34,247 मतदाता, विधानसभा 69 बेमेतरा क्र 2,28,021 मतदाता, विधानसभा 70 नवागढ़ (अ.जा.) क्र 2,54,367 मतदाता, प्रारंभिक सूची में 12,339 मतदाता 'नो मैपिंग' श्रेणी में पाए गए, जिन्हें नोटिस जारी कर सुनवाई की गई। इसके अतिरिक्त भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सॉफ्टवेयर आधारित 07 बिंदुओं पर तार्किक त्रुटियों (लॉजिक एरर) वाले मतदाताओं की पहचान की गई। इन सभी को विधिवत नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु अवसर प्रदान किया गया। सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के आदेश के अनुपालन में तार्किक विसंगतियों से संबंधित मतदाताओं की सूची को स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायत कार्यालयों तथा ईआरओ एवं एईआरओ कार्यालयों में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया गया। संबंधित व्यक्तियों को 10 दिवस के भीतर व्यक्तिगत अथवा अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से दस्तावेज अथवा आपत्तियां प्रस्तुत करने की अनुमति दी गई। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए के साथ भी यह सूची साझा की गई तथा सुनवाई प्रक्रिया में उनका सहयोग प्राप्त किया गया। दावा-आपत्तियों का निराकरण पूर्ण, 21 फरवरी को अंतिम प्रकाशनभारत निर्वाचन आयोग द्वारा दावा-आपत्तियों के निराकरण की अंतिम तिथि 14 फरवरी 2026 निर्धारित की गई थी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में यह कार्य दो दिन पूर्व ही पूर्ण कर लिया गया। विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मतदान केन्द्रों में नियुक्त बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिले के 03 ईआरओ, 13 एईआरओ तथा 54 अतिरिक्त एईआरओ के माध्यम से पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ संपादित की गई। निर्धारित अवधि 22 जनवरी 2026 तक प्राप्त दावों में- नाम जोड़ने हेतु 7,867 फार्म-6, नाम विलोपन हेतु 711 आवेदन, स्थानांतरण एवं संशोधन हेतु 2,419 फार्म-8 प्राप्त हुए।

सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में कांग्रेस नेता के खिलाफ अपराध दर्ज

कवर्धा। जिले की सियासत में उस समय हलचल मच गई जब कांग्रेस नेता तुकाराम चन्द्रवंशी के खिलाफ तरेंगांव थाना में मामला दर्ज किया गया। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर निर्माणाधीन सड़क को गैती से उखाड़ दिया और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया। वीडियो में सड़क को घटिया बताते हुए शासन प्रशासन की छवि धूमिल करने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया है। वीडियो वायरल होने के बाद प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की तकनीकी टीम को मौके पर भेजा गया। जांच के दौरान टीम ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता को मानक अनुरूप पाया। इसके बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई तेज करते हुए प्रकरण दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक इस कोयलारी से मूधिया पथरा तक निर्माणाधीन सड़क के पर्यवेक्षण अधिकारी गौरव त्यागी ने शिकायत दर्ज कराई है कि तुकाराम चंद्रवंशी ने अपने साथियों के साथ मिलकर सड़क को नुकसान पहुंचाया है। बताया जा रहा है कि यह सड़क बैगा बाहुल्य क्षेत्र कोयलारी से मूधिया पथरा तक लगभग

2 . 1 किलोमीटर लंबाई में बनाई जा रही है। इस निर्माण कार्य की लागत करीब 1 करोड़ 65 लाख रुपये बताई जा रही है। परियोजना का उद्देश्य ग्रामीणों को बेहतर और सुगम आवागमन सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि क्षेत्र के लोगों को आवागमन में हो रही परेशानियों से राहत मिल सके।

तुकाराम चन्द्रवंशी ने की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

दूसरी तरफइस मामले में कांग्रेस नेता तुकाराम चन्द्रवंशी ने शासन प्रशासन से सड़क निर्माण की जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किए जाने की मांग की है। उन्होने कोयलारी से मोंदियापथरा मार्ग को कथित रूप से गैती से क्षति पहुंचाने के आरोप में दर्ज की गई एफआईआर को पूरी तरह निराधार और तथ्यों से परे बताया है। उनका कहना है कि उन्होंने सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर केवल सवाल उठाए थे, न कि किसी प्रकार की तोड़फोड़ की। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस सड़क को अधिकारी और ठेकेदार अपनी जिम्मेदारी में निर्मित बता रहे हैं, पहले यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि क्या उक्त भूमि के लिए विधिवत वन अनुमति (फॉरेस्ट क्लीयरेंस) प्राप्त की गई थी। उन्होंने मांग की है कि यदि वन विभाग से अनुमति ली गई है तो संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएं। अन्यथा यह स्पष्ट किया जाए कि निर्माण कार्य किस अधिकार के तहत कराया गया। श्री चन्द्रवंशी ने कहा कि उनके द्वारा वीडियो के माध्यम से मुद्दा उठाए जाने के बाद जांच तो कराई गई, लेकिन उन्हें विश्वास में लिए बिना पूरी प्रक्रिया संपन्न की गई, जिससे जांच की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है। उनका कहना है कि जनता के धन से बने किसी भी निर्माण कार्य में पारदर्शिता और जवाबदेही अनिवार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप है, तो संबंधित जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार का भ्रम समाप्त हो सके।

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

सभी अधिकारी मंगलवार एवं बुधवार को अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित रहने एवं आमजनता की समस्याओं का करें निराकरण

अधिकारियों को अवकाश में जाने पर अनिवार्य रूप से लिंक अधिकारी नियुक्त करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने अनिवार्य बायोमेट्रिक आधार अपडेट प्रगति की समीक्षा की

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर जिले के विभिन्न विभागों के कार्यों, समय सीमा के लंबित प्रकरणों एवं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर आर के तम्बोली, संयुक्त कलेक्टर संदीप सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर स्निग्धा तिवारी सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अवकाश पर जाने से पूर्व प्रत्येक अधिकारी अनिवार्य रूप से सक्षम अधिकारी से अनुमति प्राप्त करें तथा अपने स्थान पर लिंक अधिकारी की नियुक्ति सुनिश्चित करें, ताकि कार्यों की निरंतरता बनी रहे। अवकाश आवेदन में लिंक अधिकारी का नाम स्पष्ट रूप से अनिवार्य उल्लेखित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राज्य शासन के निर्देशानुसार सभी अधिकारियों को मंगलवार एवं बुधवार को अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित रहकर लंबित नस्तियों का निराकरण, विभागीय समीक्षा तथा आमजनता की समस्याओं के समाधान प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त राज्य शासन के निर्देशानुसार गुरुवार एवं शुक्रवार को मैदानी स्तरों पर योजनाओं की प्रगति का निरीक्षण करने कहा गया है। उन्होंने सभी अधिकारियों को शासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के स्कूलों में मेंडेटरी बायोमेट्रिक आधार अपडेशन हेतु स्कूलों में आयोजित विशेष आधार शिविर की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त कर कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर ने निर्धारित लक्ष्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में आवश्यक बालिका शौचालयों की जानकारी ली एवं प्रस्ताव प्रस्तुत करने कहा। साथ ही मरम्मत योग्य शौचालयों की सूची शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि आगामी जनगणना का कार्य महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण एवं आवश्यक तैयारियों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने सभी नगर पालिका सीएमओ को एपीएल से बीपीएल में नाम शामिल करने हेतु प्राप्त आवेदनों की जांच कर प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य विभाग को निर्देशित किया कि एक ही व्यक्ति द्वारा एक से अधिक स्थानों पर राशन दुकान का संचालन किया जा रहा है तो उस पर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गर्मी के मद्देनजर संभावित पेयजल संकट वाले क्षेत्रों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को अग्रिम तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में पानी की समस्या उत्पन्न होती है, वहां आवश्यक संसाधनों एवं व्यवस्थाओं की तैयारी समय से पूर्व सुनिश्चित की जाए।

जिला प्रषासन एवं पुलिस प्रषासन ने दुतकैया विवाद पर ली शांति समिति की बैठक, दोनों पक्षों ने रखे अपने-अपने विचार, सामुदायिक एकता पर जोर

गरियाबंद। ग्राम दुतकैया (खपरी) में हाल ही में दो समुदायों के बीच हुए तनावपूर्ण विवाद तथा कुछ घरों में आगजनी और तोड़फोड़ की घटना के बाद स्थिति को सामान्य बनाने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार पहल की जा रही है। इसी क्रम में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री बीएस उइके एवं पुलिस अधीक्षक श्री वेदव्रत सिरमौर की उपस्थिति में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों समुदायों के निवासी, पंचायत प्रतिनिधि तथा जिले के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के

दौरान ग्रामवासियों ने घटना से उत्पन्न तनाव, नुकसान और वर्तमान परिस्थितियों पर चर्चा की। ग्रामीणों ने कहा कि दुतकैया में वर्षो से हिंदू-मुस्लिम सभी समुदाय आपसी सद्भाव, भाईचारा और सहयोग के साथ रहते आए हैं। उन्होंने कहा कि वे गांव में शांति की पुनर्स्थापना चाहते हैं तथा ऐसी घटनाएँ दोबारा न हों इसके लिए वे प्रशासन के साथ पूरा सहयोग करेंगे।पुलिस विभाग के अधिकारियों ने बताया कि घटना के तुरंत बाद सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई, नियमित पेट्रोलिंग की गई और उपद्रवियों की पहचान कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। साथ ही कानूनी सुरक्षा प्रदान करने के लिए पुलिस प्रशासन गाँव में मुस्तैद है। ग्रामीणों ने बताया कि उपद्रवियों को सामाजिक रूप से बहिष्कृत कर दिया गया है, जिसकी जानकारी बैठक में दी गई। समिति ने इस बात की भी सामूहिक निंदा की कि कुछ लोगों ने शांति भंग कर गांव के सौहार्द को ठेस पहुंचाई। ग्रामीणों ने अनुरोध किया कि प्रशासन ऐसे पीड़ित परिवारों को अस्थायी आवास प्रदान करे और नुकसान का आकलन कर उचित सहायता उपलब्ध कराए। ग्रामिणों ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों के कारण वे गांव गाँव छोड़कर चले गए थे वे आना चाहते हैं। कलेक्टर एवं पुलिस अधिक्षक ने प्रतिनिधिमंडल को कहा कि गांव में स्थायी शांति वातावरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे, अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक धिरेन्द्र पटेल, श्री करण उइके, एसडीएम राजिम विशाल महाराणा, एसडीओपी सुश्री निशा सिन्हा, राजिम थाना प्रभारी श्री अमृत लाल साहू सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर एसपी की दो टूकः नशीली दवाओं का कारोबार युवा पीढ़ी के लिए घातक, जिले को नशामुक्त बनाने बनेगी विशेष रणनीति

बेमेतरा। जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से जिला कार्यालय के सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई और पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को समन्वय के साथ ठोस रणनीति बनाकर नशीली दवाओं के अवैध व्यापार पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा कि नशापान एक सामाजिक अभिशाप है, जो समाज के ताने-बाने को भीतर से कमजोर कर देता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आकर

अपना भविष्य बर्बाद कर रही है, जिससे पारिवारिक कलह, अपराध और सामाजिक अशांति जैसी समस्याएं जन्म लेती हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों और समाज के नागरिकों से इस कुरीति को समाप्त करने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने कहा कि नशापान समाज में अनेक बुराइयों को बढ़ावा देता है। इससे पारिवारिक और सामाजिक जीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशे के अवैध कारोबार से जुड़े तस्करों और नेटवर्क के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा किसी भी स्थिति में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

नशे के हॉटस्पॉट की होगी पहचान-बैठक में निर्देश दिए गए कि जिले के उन क्षेत्रों की पहचान की जाए, जहां नशीले पदार्थों की बिक्री या खपत अधिक है।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कुपोषित बच्चों और एनीमिक महिलाओ पर फोकस कर सुपोषित करने के निर्देश दिए

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने की महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा

गर्भवती और शिशुवती माता सहित 6 माह से 3 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण और घर पहुंच राशन शत प्रतिशत वितरित करने के निर्देश, आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत हो और उन्हें गर्म भोजन के साथ बुनियादी शिक्षा देने के निर्देश,अति जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को नहीं बैठाने के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों, बच्चों की संख्या, जर्जर भवन, निर्माणाधीन भवन, पूर्ण भवन, टीकाकरण, पोषक आहार वितरण आदि का परियोजना और सेक्टर अधिकारियों से चर्चा कर समीक्षा किया। कलेक्टर ने कहा कि जर्जर भवनों में बच्चों को नहीं बैठाएं। नवीन भवन निर्माण हो चुका है तो बच्चों को वहां बैठाएं। नए भवन के लिए प्रस्ताव भेजें और जर्जर भवनों को डिस्मेंटल करने के लिए भी

पत्राचार करें ताकि सभी व्यवस्थित रहे। पालकों के साथ गृह भेंट और महिलाओं के साथ चौपाल कर बच्चों के देखरेख, सावधानी आदि के बारे में माताओं को सिखाएं। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे कुपोषित और मध्यम बच्चे हैं उन्हें एनआरसी केंद्र के माध्यम से सुपोषित करने के लिए पालक को प्रोत्साहित करने सभी अधिकारी अपने अधीनस्थ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका को निर्देशित करें ताकि कोई भी बच्चा कुपोषित नहीं रहे। इसी प्रकार बच्चों को जन्मजात या अन्य गंभीर बीमारी ग्रस्त है तो उन्हें चिरायु टीम को जांच करने के लिए अपने उच्च अधिकारियों को जानकारी देने के लिए निर्देशित करें। उन्होंने अधिकारियों और सुपरवाइजरों को महतारी वंदन योजना के नये पंजीयन नहीं हो रहा है इसकी जानकारी अपने क्षेत्र के महिलाओं को दें। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी अधिकारी और स्टॉफ को स्पष्ट निर्देश दिए कि आपके आंगनबाड़ी का निर्माण कहाँ हो रहा है, उनके निर्माण का अच्छी गुणवत्ता से हो रहा या नहीं, यह ध्यान दें और अच्छे क्वालिटी से निर्माण नहीं हो रहा तो उसकी जानकारी उच्च अधिकारियो को दें। सभी नागरिकों के बीमारी और इलाज का रिकार्ड के लिए आभा आईडी बनाने और बच्चों के पढ़ाई का रिकार्ड रखने के लिए अपार आईडी बनाये। कलेक्टर ने कहा कि गर्भवती और शिशुवती माता सहित 6 माह से 3 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण और घर पहुंच राशन शत प्रतिशत वितरित करें। उन्होंने आंगनबाड़ी समय पर खुले और सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने परियोजना अधिकारी और सुपरवाइजर को निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना अंतर्गत गर्भवती माताओं को लाभान्वित करें और कोई भी गर्भवती माता नहीं छूटनी चाहिए। शत प्रतिशत पोषण आहार का वितरण और पोषण ट्रैकर में इसे दर्ज होना चाहिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सेक्टर पर्यवेक्षकों द्वारा गर्भवती, शिशुवती और बच्चों के गृह भेंट के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण पोषण परामर्श सुनिश्चित करना है, उन्हें जानकारी देना है कि कौन कौन से सब्जी भाजी, फल मूल में कौन से विटामिन होता है, जिसके सेवन से शरीर मजबूत होता है। कलेक्टर ने कहा कि सेक्टर पर्यवेक्षकों द्वारा नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण होना चाहिए और आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को गिनती, अक्षर ज्ञान, नाम, पता, बोलने में झिझक को दूर करने के लिए स्कूल जाने के पहले बुनियादी शिक्षा देना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर ऋचा सिंह,जिले के महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी उत्तम प्रसाद सहित सारंगढ़, बरमकेला, भटगांव, बिलाईगढ़ सरसीवा, लेंधरा, कोसीर, सरिया के परियोजना अधिकारी, सेक्टर अधिकारी, सुपरवाइजर आदि उपस्थित थे।

डीईओ से मिलकर समस्याओं से अवगत कराया समन्वयक संघ

बेमेतरा। छ.ग.संकुल शैक्षिक समन्वयक संघ जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला अध्यक्ष भागवत प्रसाद साहू के अगुवाई में श्री जे.आर.डहरिया डीईओ सारंगढ़ बिलाईगढ़ से मिलकर संकुल समन्वयकों एवं शिक्षकों के विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया।शाला अनुदान,सीआरसी ग्रांड की राशि,शिक्षकों का लंबित परीक्षा अनुमति, सर्विस बुक में अर्जित अवकाश को इंद्राज करने

एवं सारंगढ़ ब्लॉक में अवकाश लिए शिक्षकों के रोके गए वेतन को त्वरित जारी करने आदि समस्याओं से अवगत कराया गया।जिला शिक्षा अधिकारी श्री जे आर डहरिया ने तत्काल समाधान करने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर जिला सचिव डाबर सिंह साहू, जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार देवांगन, भगवान प्रसाद दुबे,चोखलाल पटेल,नरसिंह श्रीवास, टेकलाल सोनी, पुरंदर पटेल,सुकलाल मीरी ,जीवित नायक आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ का बजट 24 फरवरी को होगा पेश, वित्त मंत्री बोले- नई थीम और नए विजन के साथ आएगा बजट

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का 23 जनवरी से बजट सत्र शुरू होने जा रहा है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी 24 जनवरी को सदन के पटल पर अपनी सरकार के तीसरे बजट को पेश करेंगे। आगामी बजट सत्र को लेकर मंत्री ओपी ने बताया कि यह उनकी सरकार का तीसरा बजट होगा, जो नई थीम और नए विजन के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। मंत्री ने कहा, बजट की रणनीति 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप तैयार की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को ध्यान में रखते हुए विकसित छत्तीसगढ़ विजन डॉक्यूमेंट की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम होगा। 2047 के लॉन्ग टर्म प्लान और शॉर्ट टर्म प्लानिंग के तहत बजट में स्पष्ट रोडमैप देखने को मिलेगा। बजट को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, पूर्व में राजीव गांधी योजना के तहत चार किस्तों में राशि दी जाती थी, जबकि भाजपा सरकार हर साल उससे अधिक राशि दे रही है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पांच वर्षों में जितनी राशि नहीं दे पाई, उससे अधिक उनकी सरकार दे रही है। हर वर्ष 8000 करोड़ रुपए माता-बहनों के खातों में ट्रांसफर किए जा रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष केवल आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कर रहा है. सरकार विकास कार्यों पर केंद्रित है, जो विपक्ष को स्वीकार नहीं हो रहा।

अब कक्षा 5वीं- 8वीं का कोई भी छात्र नहीं होगा फेल, असफल होने पर भी मिलेगा दोबारा मौका

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 5वीं- 8वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल जारी हो गया है। 5वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा 16 मार्च से शुरू होगी, जबकि 8वीं कक्षा की परीक्षा 17 मार्च से आयोजित की जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने 5वीं और 8वीं की केंद्रीकृत परीक्षा को लेकर स्पष्ट किया है कि, इस साल किसी भी बच्चे को फेल नहीं किया जाएगा। विभाग के फैसले के मुताबिक यदि कोई छात्र मुख्य परीक्षा में सफल नहीं हो पाता है, तो उसे सप्लीमेंट्री परीक्षा का मौका दिया जाएगा। इतना ही नहीं उसमें भी सफल नहीं होने पर छात्र को अगली कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा। इस साल घोषित समय-सारणी के अनुसार 5वीं की परीक्षा 16 मार्च से और 8वीं की 17 मार्च से शुरू होगी। बता दें कि छत्तीसगढ़ में इसी सत्र से पांचवी और आठवीं की केंद्रीकृत परीक्षा आयोजित की जाएगी। साय कैबिनेट के फैसले के बाद कक्षा 5वीं और 8वीं की केंद्रीकृत परीक्षा लेने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा निर्देश दिया था। इस संबंध में प्रदेश के सभी कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी को आदेश जारी किया गया है।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 22 फरवरी को दो पालियों में 48 केंद्रों पर होगी परीक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 का आयोजन 22 फरवरी 2026 को रायपुर जिले के 48 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक एवं द्वितीय पाली दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक होगी।परीक्षा से संबंधित गोपनीय सामग्री का वितरण जिला कोषालय, कलेक्टर परिसर रायपुर से सुबह 7 बजे एवं दोपहर 12 बजे किया जाएगा। गोपनीय परीक्षा सामग्री के सुरक्षित परिवहन हेतु संबंधित अधिकारियों को उनके नाम के समक्ष दर्शित परीक्षा केंद्रों के लिए परिवहन अधिकारी/उड़नदस्ता अधिकारी नियुक्त किया गया है। सभी नियुक्त अधिकारी निर्धारित समय पर जिला कोषालय पहुंचकर गोपनीय सामग्री प्राप्त करेंगे तथा परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटे पूर्व संबंधित केंद्राध्यक्ष को अनिवार्य रूप से सौंपेंगे।परीक्षा के दौरान आवंटित परीक्षा केंद्रों में किसी भी प्रकार की अनैतिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु उड़नदस्ता दल द्वारा सतत निरीक्षण किया जाएगा। परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटे के भीतर परीक्षार्थियों की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति की जानकारी कलेक्टर कार्यालय, कक्ष क्रमांक 06 में स्थापित कंट्रोल रूम के दूरभाष क्रमांक 0771-2426212 पर अनिवार्य रूप से उपलब्ध करानी होगी।परीक्षा समाप्ति के पश्चात संबंधित परीक्षा केंद्रों से गोपनीय सामग्री के सीलबंद पार्सल क्रमांक 1, 2, 3, 4 एवं 5 को केंद्राध्यक्ष की उपस्थिति में जिला कोषालय के डबल लॉक कक्ष में जमा कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के अधिकारियों ने किया कला केंद्र रायपुर का भ्रमण

रायपुर। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी से आए आईएएस अधिकारियों के एक दल ने रायपुर स्थित कला केंद्र का भ्रमण किया। इस दौरान अधिकारियों ने कला केंद्र की संकल्पना, संरचना एवं यहां संचालित विभिन्न कलात्मक गतिविधियों का अवलोकन कर इसकी सराहना की।यह कला केंद्र मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशन में स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करना तथा कला एवं संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन करना है।

सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा

जनजातीय समाज का सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकता

■ वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु 50 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान को स्वीकृति, 543 विकास कार्यों को मंजूरी

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज कोरिया जिले के बैकुंठपुर में आयोजित सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में सरगुजा संभाग के जिलों में संचालित विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा जनप्रतिनिधियों के सुझावों के आधार पर नई योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने सरगुजा और बस्तर क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता में रखा है।प्राधिकरण के माध्यम से पिछड़े एवं वनांचल क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरगुजा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, जनजातीय समाज के सशक्तिकरण और क्षेत्र की समृद्धि के लिए सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और सभी के सहयोग से इस क्षेत्र को प्रगति के नए शिखर पर पहुंचाया जाएगा। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्राधिकरण हेतु 50 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान को स्वीकृति प्रदान की गई। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर 543 विकास कार्यों के लिए 4905.58 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई, जबकि वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 606 कार्यों को भी औपचारिक अनुमोदन प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने तथा लंबित कार्यों को मार्च तक पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने गर्मी के मौसम में पर्याप्त पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सोनहत विकासखंड में विद्युतीकरण का कार्य तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृत कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए, ताकि विकास योजनाओं का लाभ सीधे जनजातीय एवं वनांचल क्षेत्रों के लोगों तक पहुंच सके। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में हाईमास्ट सोलर लाइट लगाने, किसानों की समस्याओं के समाधान, बिजली बिल त्रुटियों को दूर करने तथा गुणवत्ताहीन निर्माण कार्यों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्राधिकरण की पिछली बैठक जशपुर जिले के मयाली में आयोजित हुई थी, जिसके बाद मयाली की पहचान पर्यटन केंद्र के रूप में बढ़ी है। गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड्स में विश्व के बड़े शिवलिंग को स्थान मिला तथा स्वदेश दर्शन योजना के तहत राशि स्वीकृत हुई। उन्होंने कहा कि बैकुंठपुर में आयोजित इस बैठक से भी जिले की पहचान और पर्यटन संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि झुमका जलाशय सहित यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और इस प्रकार विभिन्न जिलों में बैठक आयोजित करने से स्थानीय विकास को गति मिलती है। बैठक में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय, खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, सांसद श्री चिंतामणि महाराज, विधायकगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

ग्रीष्मकालीन धान के प्रति किसानों का उत्साह घटा

■ छग उद्यानिकी विभाग किसानों को धनिया की खेती के लिए कर रहा उत्साहित

■ धनिया की खेती से भूमि की उर्वरक क्षमता में वृद्धि होती है

रायपुर। संवाददाता

छग में फसलों में अब विविधिकरण का दौर प्रारंभ हो गया है। किसानों का ग्रीष्मकालीन धान उत्पादन के प्रति उत्साह घटता जा रहा है। छग शासन कृषि विभाग द्वारा किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफेवाली फसल लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी कड़ी में छग शासन उद्यानिकी विभाग के संचालक द्वारा किसानों को हरी धनिया की खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उद्यानिकी विभाग के कर्मचारी लगातार किसानों को संपर्क कर धनिया की खेती के लिए प्रोत्साहित कर रहे है। मिली जानकारी के अनुसार राजनांदगांव जिले के ग्राम डोंगरगांव, जंगलेसर एवं आसपास के गांवों में धनिया की खेती की जा रही है। जंगलेसर के किसान दौलतराम साहू ने ढाई एकड़ कृषि भूमि में धनिया की फसल लगाकर अच्छी कीमत में बेचकर नवाचार के क्षेत्र में नई पहल की है। साहू ने बताया कि उन्हें उद्यानिकी विभाग से तकनीकी मार्गदर्शन मिला। साथ ही 20 किग्राम धनिया भी अच्छी किस्म के उपलब्ध कराये गये। फसल चक्र परिवर्तन को देखते हुए उन्होंने इस बार धनिया की खेती करने का निर्णय लिया। उद्यानिकी विभाग के तकनीकी अधिकारी ने उन्हें बताया कि धनिया की खेती करने से भूमि की उर्वरक शक्ति में वृद्धि होती है एवं कम पानी का उपयोग होने से धनिया की खेती में लागत से अधिक मुनाफा मिलता है। अन्य फसलों की तुलना में धनिया में रोगों का प्रकोप कम होता है। मार्च अप्रैल माह में फल धनिया से अधिक लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि फसलों के बदलाव से अब किसानों को ग्रीष्मकालीन धान की फसल पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

होली के लिए बाजार सजे, होली चार मार्च को

रायपुर। इस बार होली मार्च के प्रथम सप्ताह को पड़ रही है। होलिका दहन तीन मार्च को होगा और रंगोत्सव 4 मार्च को प्रदेशवासियों द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा। होली को लेकर रविवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के चिल्हर दुकानदार रंग गुलाल अबीर, पिचकारी गोल बाजार बंजारी रोड से लेते दिखाई दिया। मालवीय रोड बंजारी रोड, गोल बाजार सहित क्षेत्रिय बाजार जैसे पुरानी बस्ती, टिकरापारा, रामसागर पारा, गुढ़ियारी, रामनगर, टाटीबंध, दलदल सिवनी मोवा सड्डू सहित आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग होली की तैयारी के लिए खरीददारी करते दिखे। पिचकारी में इस बार लेटेस्ट मॉडल आए है। छोटे बच्चों के लिए रंग बिरंगी आकर्षक पिचकारियां बिकने के लिए आई है। इसी तरह दुकानदार भी होली की तैयारी के लिए अपनी अपनी दुकानें सजाना शुरू कर दिये है।

पर्यावरण और जन स्वास्थ्य की रक्षा हेतु एनजीटी जाएंग

प्लास्टिक बोतलों में शराब बिक्री से कैंसर का होगा खतरा-कन्हैया

■ सॉफ्ट ड्रिंक की प्लास्टिक बोतलों पर भी लगाई जाए रोक कन्हैया

रायपुर । संवाददाता

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने प्रदेश सरकार द्वारा प्लास्टिक की बोतलों में शराब बेचने के निर्णय पर कड़ा प्रहार करते हुए इसे जनस्वास्थ्य के साथ आपराधिक खिलवाड़ बताया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय न केवल पर्यावरण को तबाह करेगा, बल्कि प्रदेश की जनता को गंभीर बीमारियों की ओर धकेलेगा। स्वास्थ्य संबंधी खतरों पर जोर देते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि: वैज्ञानिक शोधों से यह प्रमाणित हो चुका है कि प्लास्टिक बोतलों में जब शराब जैसा मादक पदार्थ लंबे समय तक रहता है, तो प्लास्टिक के सूक्ष्म कण और हानिकारक रसायन (जैसे थैलेट्स और बिस्फेनॉल-ए) शराब में घुलने लगते हैं। यह रासायनिक मिश्रण लिवर को नुकसान पहुँचाने के साथ-साथ कैंसर और बांझपन जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बनता है। सरकार राजस्व की बचत के लिए प्रदेशवासियों के जीवन को खतरे में डाल रही है। श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि करोड़ों की संख्या में एकत्रित होने वाली प्लास्टिक की बोतलों का निष्पादन असंभव है । उन्होंने मांग की कि सरकार शराब के साथ-साथ सॉफ्ट ड्रिंक (पेप्सी, कोका-कोला आदि) की प्लास्टिक बोतलों पर भी तत्काल प्रतिबंध लगाए । उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने इस जनविरोधी और स्वास्थ्य-विरोधी निर्णय को वापस नहीं लिया, तो इसके खिलाफ पर्यावरण विभाग और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई जाएगी।

नम्रता के चेहरे में आई खुशहाली हृदय समस्या का हुआ समाधान...

■ स्क्रीनिंग के तीन दिन के भीतर ऑपरेशन, छठवें दिन हुई डिस्चार्ज

■ परिजनों ने मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन को दिया धन्यवाद

रायपुर। संवाददाता

तीन वर्षीय नम्रता बड़ी खुश है। अपने टेडी बियर से बतिया रही थी, साथ ही साथ अपनी फरारी टॉय कार को भी तेजी से घुमा रही थी। यह महसूस हो रहा था कि वह अपने दोस्त टेडी बियर के साथ किसी खूबसूरत जगह जाने का विचार कर रही है। इस खुशी का राज़ वह पूर्ण रूप से स्वस्थ है उसे किसी भी प्रकार की कोई तकलीफ नहीं है। क्योंकि उसकी हृदय संबंधी समस्या का गतमाह सत्य साई संजीवनी हॉस्पिटल में सफलतापूर्वक ऑपरेशन हो चुका है वह भी स्क्रीनिंग के तीन दिन के भीतर ही। यह ऑपरेशन प्रोजेक्ट धड़कन के तहत हुआ है जो मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन रायपुर द्वारा चलाया जा रहा है। नम्रता चंगोराभांटा में रहती है उसके पिता प्रशांत कुमार यादव बहुत ही सामान्य परिवार से हैं जो वाहन चालक हैं। माता मेघा यादव गृहणी हैं। पास के ही आंगनबाड़ी में उनकी बच्ची नम्रता जाती थी। आम बच्चों के साथ खेलती भी थी तभी आंगनबाड़ी में आई प्रोजेक्ट धड़कन की टीम ने 22 जनवरी को स्क्रीनिंग किया। उनके स्पेशल स्टेथोस्कोप में विशेषज्ञों को कुछ लक्षण दिखाई दिए। टीम ने नम्रता के माता-पिता को इसकी सूचना देकर एडवांस चिकित्सकीय परीक्षण की सलाह दी। पिता प्रशांत ने नम्रता को बिना देरी किए सत्य सांई संजीवनी हॉस्पिटल ले गए। 23 जनवरी को सत्य सांई हॉस्पिटल नवा रायपुर में ईको करवाया गया जहां हृदय संबंधी समस्या की पुष्टि हुई और ऑपरेशन की सलाह दी गई। प्रोजेक्ट धड़कन की टीम ने सत्य सांई हॉस्पिटल के प्रबंधन के साथ समन्वय किया, तारीख तय हुई एवं तीन दिन के भीतर ही 24 जनवरी को बच्ची का सफलतापूर्वक ऑपरेशन हो गया। वह फिर से आंगनबाड़ी जा रही है व अन्य बच्चों के साथ खेल रही है।उसके पिता प्रशांत एवं माता मेघा ने मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें अंदाजा भी नहीं था हमारी बच्ची को ऐसी तकलीफहै।

सिक्किम के राष्ट्रीय विकास कार्यों का अवलोकन करेगी छत्तीसगढ़ की 12 सदस्यीय मीडिया टीम

रायपुर। सिक्किम - पत्र सूचना कार्यालय , भारत सरकार, रायपुर के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के पत्रकारों का एक 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सिक्किम के सात दिवसीय अध्ययन प्रवास पर रवाना हो रहा है । इस विशेष प्रेस टूर का उद्देश्य सिक्किम में केंद्र सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी परियोजनाओं, बुनियादी ढांचे के विकास और सामरिक महत्व के कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन करना है । 15 से 21 फरवरी तक चलने वाले इस दौरे के दौरान मीडिया टीम सिक्किम की भौगोलिक चुनौतियों के बीच हो रहे इंजीनियरिंग नवाचारों और विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों की दिशा में हो रही प्रगति का दस्तावेजीकरण करेगी । इस प्रतिनिधिमंडल में छत्तीसगढ़ के प्रमुख मीडिया संस्थानों के 10 वरिष्ठ पत्रकार और पीआईबी रायपुर के एक अधिकारी व एक कर्मचारी शामिल हैं । दल का नेतृत्व सहायक निदेशक श्री सुदीप्त कर और यंग प्रोफेशनल श्री पुरुषोत्तम झा कर रहे हैं । पत्रकारों की सूची में एएनआई से संदीप प्रधान, पीटीआई से टिकेश्वर पटेल, दैनिक भास्कर से प्रमोद कुमार साहू, अमृत संदेश से संजीव कुमार वर्मा, और विस्तार न्यूज से अभिषेक तिवारी शामिल हैं । इसके साथ ही दण्डकारण्य समाचार के टीनकेश्वर तिवारी, दैनिक विश्व परिवार के हरि शंकर सोनी, समवेत शिखर के शंकर चंद्राकर, अमन पथ के रमेश पांडे और बीएसटीवी के अविनाश चंद्रवंशी भी इस अध्ययन यात्रा का हिस्सा हैं ।

जिले में पीएम आवास निर्माण ने पकड़ी रफ्तार

■ एक माह में 1628.60 लाख रुपये अंतरित

रायपुर/ संवाददाता

सरगुजा जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास निर्माण कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। जिले में स्वीकृत कुल 1,02,210 आवासों में से 80,296 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं, जो 50 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि को दर्शाता है। इस माह 1,781 आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है। निर्माण कार्यों को गति देने के लिए हितग्राहियों को किश्तों की राशि आधार आधारित डीबीटी प्रणाली के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में समय-सीमा के भीतर अंतरित की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-26 में स्वीकृत 36,306 आवासों में से 18,782 आवास पूर्ण हो चुके हैं। योजना के तहत प्रत्येक हितग्राही को 1.20 लाख रुपये की राशि स्वीकृति, प्लिंथ एवं पूर्णता चरण में जियो-टैग आधारित सत्यापन के पश्चात प्रदान की जाती है। अब तक 35,125 हितग्राहियों को प्रथम किश्त (40,000 रुपये), 23,419 को द्वितीय किश्त (55,000 रुपये) तथा 10,367 हितग्राहियों को तृतीय किश्त (25,000 रुपये) जारी की जा चुकी है। विगत एक माह में 1,634 आवास पूर्ण करते हुए 1,349.05 लाख रुपये की राशि जारी की गई। साथ ही कुल मिलाकर 1,628.60 लाख रुपये हितग्राहियों के खातों में अंतरित किए गए। इसके अतिरिक्त मनरेगा के अंतर्गत 90 मानव-दिवस का मजदूरी भुगतान तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण उपरांत 12,000 रुपये की अतिरिक्त सहायता भी प्रदान की जा रही है। पीएम जनमन योजना के तहत जिले में 2,565 पहाड़ी कोरवा हितग्राहियों को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनमें से 1,385 आवास पूर्ण हो चुके हैं। प्रति हितग्राही 2.00 लाख रुपये की सहायता राशि चार चरणों में जारी की जाती है। विगत एक माह में 73 जनमन आवास पूर्ण हुए तथा 217 लाख रुपये की राशि जारी की गई। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत जिले में 1,024 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 214 आवास पूर्ण हो चुके हैं। पिछले एक माह में 74 आवास पूर्ण करते हुए 62.55 लाख रुपये की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की गई है। आवास निर्माण में प्रगति सुनिश्चित करने के लिए 45 आवास मित्रों एवं 218 रोजगार सहायकों को कुल 61.97 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। वर्तमान में जिले में किसी भी हितग्राही की किश्त भुगतान हेतु लंबित नहीं है, जो प्रशासन की पारदर्शी एवं सक्रिय कार्यप्रणाली को दर्शाता है। आवास निर्माण से संबंधित किसी भी समस्या या सुझाव के लिए हितग्राही राज्य शासन द्वारा जारी निःशुल्क हेल्पलाइन नंबर 1800-233-1290 पर संपर्क कर सकते हैं।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा हुए शामिल

तकनीक संचालित प्रशासन भविष्य की आवश्यकता-उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर/ संवाददाता

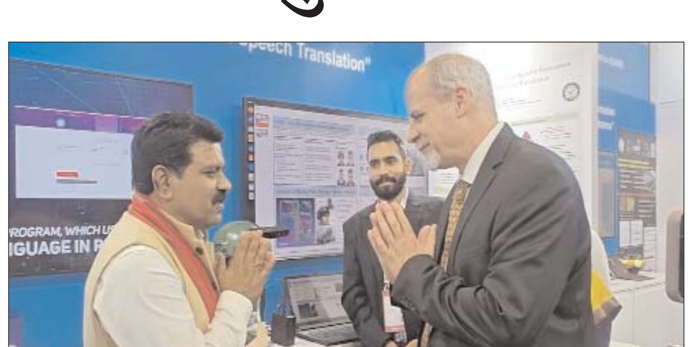

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भाग लेकर राज्य का प्रतिनिधित्व किया। वे लीडर्स प्लेनरी सत्र में शामिल हुए और शासन-प्रशासन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभावी उपयोग पर विशेष रुचि दिखाई। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सम्मेलन के दौरान एआई के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाने, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवा वितरण सुनिश्चित करने तथा डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली विकसित करने के विभिन्न मॉडलों का अवलोकन किया। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, आंतरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के सफल उपयोग के उदाहरणों पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का द्वार भारत को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति बनाने के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह शिखर सम्मेलन भारत द्वारा ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला वैश्विक एआई सम्मेलन है, जिसमें अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय भागीदारी देखने को मिली है। 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों, 60 मंत्रियों और 500 से अधिक वैश्विक एआई नेताओं की उपस्थिति इस आयोजन की महत्ता को दर्शाती है। श्री शर्मा ने बताया कि नीति-निर्माताओं, प्रौद्योगिकी कंपनियों, नवप्रवर्तकों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाकर यह सम्मेलन इंडियाएआई मिशन और डिजिटल इंडिया पहल के अंतर्गत वैश्विक एआई विमर्श को ठोस एवं क्रियान्वयन योग्य विकास परिणामों में परिवर्तित करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने समिट के प्रति वैश्विक उत्साह को उल्लेखनीय बताते हुए कहा कि 700 से अधिक प्रस्तावों की प्राप्ति इस बात का प्रमाण है कि पूरा विश्व भारत की एआई पहल को उत्साह से देख रहा है और सहयोग के लिए आगे आ रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि तकनीक संचालित प्रशासन ही भविष्य की आवश्यकता है।

संपादकीय

दुनिया में अब एआई अगला दशक तय करेगा भविष्य, अवसर भी, चेतावनी भी

हाल के दिनों में जब से एआइ के बढ़ते दायरे और इसके असर की बात होने लगी है, तब से इसे भविष्य में नौकरियों का सृजन करने का औजार भी बताया गया है। शिक्षा जगत से लेकर रक्षा और कारोबार के विभिन्न क्षेत्र में नए स्तर पर इसका प्रयोग हो रहा है। तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में दुनिया भर में अभी सबसे ज्यादा जोर आधुनिक तकनीकों के विकास और इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा नवाचार के प्रयोग पर दिया जा रहा है। सभी देश अपनी विकास नीतियों में अद्यतन तकनीकों को अपना रहे हैं और पारंपरिक तरीके से होने वाले बहुत सारे कामों का स्वरूप अब बदल रहा है। खासतौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी एआइ के फैलते दायरे ने वैश्विक स्तर पर कामकाज के तौर-तरीकों और उसमें इंसानी भूमिका पर व्यापक असर डाला है। इसे समय के साथ कदम मिला कर चलने और विकास के परिप्रेक्ष्य में जरूरी माना जा रहा है तथा सभी देश एआइ के सकारात्मक उपयोग को लेकर सक्रिय दिख रहे हैं। भारत की इसमें एक महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। गौरतलब है कि नई दिल्ली में सोमवार से पांच दिनों का एआइ शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया है, जिसमें कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष से लेकर एआइ कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन का उद्देश्य एआइ के व्यापक तंत्र पर चर्चा के साथ-साथ आम लोगों की जिंदगी पर इसके सीधे असर और फायदों के बारे में जागरूकता फैलाना है। दरअसल, तकनीक के मामले में जितनी तेज रफ्तार से नवाचार का प्रयोग हुआ है, सभी जरूरी क्षेत्रों में एआइ का दायरा फैला है, उसमें इस पर चर्चा जरूरी हो जाती है कि इसकी संभावनाओं और उम्मीदों के साथ-साथ इससे जुड़ी आशंकाओं पर भी विचार हो। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि विकास के किसी स्वरूप से अंतिम तौर पर आम लोग प्रभावित होते हैं और कोई भी तकनीक इसी कसौटी पर देखी जाएगी कि उससे मनुष्य का कितना समग्र हित सुनिश्चित हो सका और दुनिया की ज्यादातर आबादी के लिए वह कितनी उपयोगी साबित हुई। हाल के दिनों में जब से एआइ के बढ़ते दायरे और इसके असर की बात होने लगी है, तब से इसे भविष्य में नौकरियों का सृजन करने का औजार भी बताया गया है। दूसरी ओर, एआइ के फैलते पांव के समांतर रोजगार पर इसके व्यापक प्रभाव और खतरों को लेकर आशंकाएं भी जताई गई हैं। दिल्ली के सम्मेलन में एक उद्देश्य एआइ से रोजगार, आम लोगों की जिंदगी पर पड़ने वाले असर और उसके खतरों को कम करने के लिए ठोस उपायों तथा प्रयासों पर भी चर्चा करना है। यह जगजाहिर है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दायरा कितने बड़े क्षेत्र में फैल चुका है। हाथ में मौजूद स्मार्टफोन अब केवल तस्वीरें संपादित करके सोशल मीडिया के मंचों पर सुर्खियां हासिल करने का जरिया भर नहीं है।

देश में लगभग एक करोड़ साठ लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। इसमें से करीब 65 फीसद भूमि की सिंचाई वर्षा पर आधारित है। भारतीय कृषि व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले यूरिया उर्वरक को लेकर केंद्र सरकार के हालिया निर्णय ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के आदेश के तहत यूरिया की बोरी का वजन 50 किलो से घटा कर 40 किलोग्राम कर दिया गया है। इसके साथ ही यूरिया में नाइट्रोजन की मात्रा भी 46 से घटा कर 36 फीसद कर दी गई है। सरकार इसे सुधारात्मक कदम के रूप में पेश कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इस निर्णय ने किसानों की लागत बढ़ा दी है और कृषि उत्पादन तथा देश की खाद्य सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। यूरिया खेती में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाला नाइट्रोजन उर्वरक है। गेहूं, धान और मक्का जैसी उच्च उत्पादकता वाली फसलों की उपज काफी हद तक नाइट्रोजन की उपलब्धता पर निर्भर करती है। यह पौधों की बढ़वार, पत्तियों के विकास और दाने भरने की प्रक्रिया के लिए अनिवार्य तत्त्व है।

यूरिया नीति में बदलाव, बढ़ती लागत, घटती पैदावार और खाद्य सुरक्षा पर संकट, क्या फैसला देश की परीक्षा है

(देवेंद्रराज सुथार)

ऐसे में यूरिया के स्वरूप में किया गया कोई भी बदलाव सीधे तौर पर फसलों की पैदावार, किसानों की आय और अंततः उपभोक्ताओं की खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है। सरकार के नए फैसले के बाद यूरिया की एक बोरी में उपलब्ध नाइट्रोजन की मात्रा में भारी गिरावट आई है। पहले 50 किलो की बोरी में 46 फीसद नाइट्रोजन के हिसाब से लगभग 23 किलो नाइट्रोजन उपलब्ध होती थी। अब 40 किलो की बोरी में 36 फीसद नाइट्रोजन के साथ यह मात्रा घट कर केवल 14.4 किलो रह गई है।

इसका सीधा अर्थ यह है कि किसान को उतनी ही नाइट्रोजन प्राप्त करने के लिए पहले की तुलना में कहीं अधिक यूरिया खरीदना पड़ेगा। अगर मौजूदा 270 रुपए प्रति बोरी की कीमत को आधार बनाया जाए, तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। पहले जहां किसानों को प्रति हेक्टेयर नाइट्रोजन की जरूरत पूरी करने के लिए लगभग साढ़े सत्रह सौ रुपए खर्च करने पड़ते थे, अब वही जरूरत पूरी करने के लिए 2835 रुपए खर्च करने होंगे। यानी बिना दाम बढ़ाए ही किसानों पर करीब 37 फीसद अतिरिक्त बोझ डाल दिया गया है। यह बोझ खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए बेहद मुश्किल भरा साबित हो सकता है।

देश में लगभग एक करोड़ साठ लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। इसमें से करीब 65 फीसद भूमि की सिंचाई वर्षा पर आधारित है। यहां दलहन, तिलहन और बागवानी जैसी फसलें उगाई जाती हैं। इन फसलों में यूरिया की खपत अपेक्षाकृत कम होती है और कई मामलों में एक टन प्रति हेक्टेयर से भी कम रहती है।

लेकिन शेष लगभग पचास लाख हेक्टेयर सिंचित भूमि पर गेहूं और धान जैसी उच्च उत्पादकता वाली फसलें ली जाती हैं, जिनके लिए नाइट्रोजन की भारी मात्रा की आवश्यकता होती है। मौजूदा कृषि सिफारिशों के अनुसार गेहूं और धान जैसी फसलों के लिए प्रति हेक्टेयर सालाना लगभग तीन सौ किलो नाइट्रोजन की जरूरत होती है।

जबकि 46 फीसद नाइट्रोजन वाले यूरिया के हिसाब से यह आवश्यकता लगभग 620 किलो यूरिया से पूरी हो जाती थी। इसी आधार पर देश के सिंचित क्षेत्रों के लिए सालाना करीब तीन करोड़ बीस लाख मीट्रिक टन यूरिया की जरूरत आंकी जाती है।

जब कुल खपत चार करोड़ मीट्रिक टन से अधिक है, तो सवाल उठता है कि बाकी यूरिया कहां जा रहा है? इस सवाल का जवाब देश में लंबे समय से चले आ रहे यूरिया के दुरुपयोग में छिपा है।

यह किसी से छिपा नहीं है कि सबसिडी वाले यूरिया का एक बड़ा हिस्सा कृषि के बजाय औद्योगिक उपयोग में चला जाता है। अनुमान है कि कुल

सबसिडी वाले यूरिया का लगभग एक-तिहाई, यानी एक करोड़ मीट्रिक टन से अधिक फैक्टरियों में खप जाता है।

केंद्रीय बजट 2022-23 में यूरिया में सबसिडी के लिए एक लाख 32 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। यह राशि निश्चित रूप से सरकारी खजाने पर भारी बोझ डालती है। मगर सवाल यह है कि इस बोझ को कम करने की कीमत किसान क्यों चुकाए।

यदि आपूर्ति शृंखला की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाती, तो सबसिडी का बड़ा हिस्सा बचाया जा सकता था। इसके बजाय सरकार ने ऐसा कदम उठाया है, जिससे ईमानदार किसान ही सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है।

इस नीति का एक और गंभीर पहलू है यूरिया की उपलब्धता और आपूर्ति संकट। पहले ही देश के कई हिस्सों में किसान बुआई के समय घंटों लंबी कतारों में लग कर यूरिया खरीदने को मजबूर हैं। कई बार समय पर पूरी मात्रा नहीं मिल पाती। इससे खाद डालने का सही समय निकल जाता है।

अब जब प्रति हेक्टेयर जरूरत पूरी करने के लिए अधिक बोरियां खरीदनी पड़ेंगी, तो यह संकट और गहराने की आशंका है। इसका सीधा असर फसलों के विकास और अंततः पैदावार पर पड़ेगा।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार गेहूं, धान और मक्का जैसी फसलों की पूरी पैदावार के लिए प्रति हेक्टेयर 120 से 150 किलो नाइट्रोजन की जरूरत होती है। पहले किसानों को यह मात्रा प्राप्त करने के लिए 50 किलो वाले यूरिया की लगभग सात बोरियां डालनी पड़ती थी।

अब वही मात्रा पाने के लिए उसे दस से ग्यारह बोरी यूरिया की जरूरत होगी। इससे न केवल लागत बढ़ेगी, बल्कि मिट्टी के संतुलन और पर्यावरण पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा।

यह संकट केवल किसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध देश की खाद्य सुरक्षा से भी है। पिछले तीन वर्षों में गेहूं के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद सरकारी खरीद अपने लक्ष्य से काफी पीछे रही है।

यह स्थिति तब है, जब सरकार पैदावार के बड़े-बड़े दावे करती रही है। इस विरोधाभास से संकेत मिलता है कि देश में गेहूं का वास्तविक उत्पादन और घरेलू खपत लगभग बराबर स्तर पर पहुंच चुकी है। ऐसे में यदि यूरिया की कमी या महंगाई के कारण पैदावार में गिरावट आती है, तो देश को अनाज आयात पर निर्भर होना पड़ सकता है।

खाद्य सुरक्षा किसी भी देश की संप्रभुता और सामाजिक स्थिरता का आधार होती है। भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में अनाज उत्पादन में थोड़ी-सी भी कमी व्यापक प्रभाव डाल सकती है। महंगाई, सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर दबाव और ग्रामीण असंतोष इसके संभावित परिणाम हो सकते हैं।

इसलिए यूरिया जैसी बुनियादी कृषि सामग्री को लेकर तय की गई किसी भी नीति का मूल्यांकन केवल बजट संतुलन के नजरिए से नहीं किया जाना चाहिए। समाधान के रास्ते मौजूद हैं, बशर्ते नीति-निर्माण में इच्छाशक्ति और व्यावहारिक दृष्टिकोण हो। सबसे पहले यूरिया के औद्योगिक दुरुपयोग पर सख्ती से रोक लगानी होगी। किसानों के लिए उपलब्ध यूरिया की गुणवत्ता और मात्रा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

नीतियां जमीनी वास्तविकताओं और वैज्ञानिक सिफारिशों के अनुरूप होनी चाहिए, न कि केवल कागजी आंकड़ों पर। यह समझना होगा कि किसान, कृषि और खाद्य सुरक्षा एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

इनमें से किसी एक को कमजोर कर बाकी दो को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और खाद्य सुरक्षा का आधार भी है। ऐसे में कोई भी प्रयोग दूरगामी परिणाम लेकर आता है। यदि किसान लागत बढ़ने या उपलब्धता की कमी के कारण आवश्यक मात्रा में यूरिया नहीं डाल पाता, तो उपज में गिरावट तय है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

दान का सुख, बेईमानी की बेड़ियां और जीवन का सच, स्वर्ग-नरक यहीं बसते हैं

(गिरीश पंकज)

कुछ लोग कहते हैं कि स्वर्ग-नरक सब यहीं है। अच्छे काम करना और सुखमय जीवन जीना स्वर्ग से कम नहीं है। ईश्वर को किसी ने नहीं देखा। पुनर्जन्म होता या नहीं, इसके बारे में भी कहा नहीं जा सकता, लेकिन एक डर लोगों के मन में बैठा रहता है। हमेशा बैठाया भी जाता है कि अच्छे काम करोगे, तो अगले जन्म में मनुष्य बनकर पैदा होगे और बुरे काम करोगे तो तरह-तरह के पशुओं में तुम्हारा जन्म होता रहेगा। चौरासी लाख योनियों में भटकने की बात धर्मग्रंथ करते हैं। व्यक्ति के मन में भय इसलिए पैदा किया जाता है कि वह नैतिक दृष्टि से ठीक-ठाक रहे। उसके अंदर मानवता, करुणा, सच्चाई, ईमानदारी जिंदा रहे। जिस समाज में ऐसे सज्जनों की बहुलता रहती है, वह समाज खुशहाल रहता है। इसलिए सदियों से हमारे धर्मग्रंथों और ऋषि-मुनियों ने मनुष्यों में सदाचरण पर जोर दिया और उस सदाचरण को बरकरार रखने के लिए उन्होंने स्वर्ग-नरक की कथाएं भी रचीं।

सच्चाई यह है कि इस स्वर्ग-नरक को किसी ने देखा नहीं है, लेकिन धर्मभीरू समाज के मन में यह बात बिठा दी गई है कि ईश्वर हमें देख रहा हैज हमारे हर गलत सही काम पर उसकी नजर है। इस भय से ही आम इंसान जीवन में गलत काम करने से बचता है। यह सिर्फ एक कल्पना है और एक तरह से मनुष्य को सन्मार्ग दिखाने, उस पर चलाने की एक उत्तम प्रविधि है। जैसे आजकल बहुत सारे अपराध सिर्फ इसलिए नहीं होते कि जगह-जगह खुफिया कैमरे लगे होते हैं और किसी दीवार पर एक पंक्ति लिखी होती है कि 'आप कैमरे की निगाह में हैं।' पहले लोगों से कहा जाता था कि आप ईश्वर की निगाह में हैं। उस चेतावनी को बहुत कम लोग मानते थे, लेकिन इस भौतिक चेतावनी को लोग गंभीरता से मानते हैं और गलत काम करने से बचते भी हैं। ज्यादा दुस्साहसी अपराधी पहले खुफिया कैमरे को तोड़ भी देते हैं।

कुछ लोग कहते हैं कि स्वर्ग-नरक सब यहीं है। अच्छे काम करना और सुखमय जीवन जीना स्वर्ग से कम नहीं है। और बुरे काम करके उसका कुपरिणाम भोगना नरक है। यह सभी महसूस भी करते हैं। अपने सामने ऐसा घटित होते देखते भी हैं। न जाने कितने अरबपति व्यापारी, भ्रष्ट नेता या घोटालेबाज अफसर बेईमानी की कमाई करने के बाद एक दिन जब गिरफ्तार होकर जेल भेज दिए जाते हैं, तो लोग यही कहते हैं कि देखो, उन्हें अपने किए का फल मिल गया। कल तक वे स्वर्ग भोग रहा थे, आज नरक भोग रहे हैं।

दूसरी तरफ स्वर्ग वे भोग रहे होते हैं, जो संतोषी हैं और सुखी हैं। लोग जब दान-पुण्य करते हैं, तो उनके अंतर्मन में एक सुखानुभूति होती है। यह सुखद अनुभूति किसी स्वर्ग से कम नहीं है। उदार मन का धनी व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा दान करता है, तो उसकी ख्याति बढ़ती जाती है। तब उसके मन को जो परमानंद मिलता है, दरअसल वही स्वर्ग है।

जो व्यक्ति जितना सुखी है या पूरी तरह से स्वस्थ है, तो वह जीवन में एक तरह से वास्तविक स्वर्ग का जीवन जी रहा है। अगर उसके जीवन में ईर्ष्या, द्वेष, षड्यंत्र आदि दुर्गुण भरे हुए हैं, तो उसका जीवन अपने आप में नरक है। वह कुंठित होकर अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि वह अपने नारकीय जीवन को पहचान नहीं पाता। वह अपनी धूर्त मानसिकता और हल्केपन को अपनी चालाकी समझता है और हर घड़ी दूसरे के अहित को अपनी उपलब्धि मानकर प्रसन्न रहता है।

जिस दिन ऐसे लोग आत्म-मंथन करते हुए यह विचार करने लगेंगे कि 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई', तो वे अपना रास्ता बदल सकते हैं। वे अपने हृदय को निर्मल कर लें, उदार कर लें और यह सोचने लगें कि सभी सुखी रहें, सभी निरोगी रहें, सभी का कल्याण हो, तो फिर उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव आ जाएगा। धर्म-कर्म के पथ पर चलने वाले सच्चे लोग इसीलिए भीड़ में भी अलग दिखाई देते हैं।

धर्म-कर्म पर चलने का अर्थ यह नहीं कि लोग कट्टर हो जाएं और अपने-अपने धर्म के लिए आपस में भिड़ जाएं। अनेक लोग जीवन की सार्थकता लोक कल्याण के कार्य को ही समझते हैं। यही सच्ची धार्मिकता है। सोशल मीडिया के दौर में हम सब अनेक ऐसे वीडियो देखते हैं, जिसमें कोई पुलिसवाला किसी गरीब की मदद कर रहा है, उसे खाना खिला रहा है, कोई अमीर व्यक्ति फटेहाल बच्चों को अच्छे कपड़े पहना रहा है, कोई किसी की झोंपड़ी को पक्का करवा रहा है।

क्या एआई के क्षेत्र में दुनिया को पछाड़ पाएगा भारत?

भारत ने पहले भी तकनीकी मोड़ पर सही फैसले लेकर इतिहास बदला है। नब्बे के दशक में सूचना तकनीक और सॉफ्टवेयर सेवाओं पर जोर देने से लाखों रोजगार बने, भारतीय कंपनियां दुनिया भर में छा गईं और देश को नई पहचान मिली। आज एक वैसा ही मोड़ फिर सामने है, लेकिन इस बार दांव कहीं बड़ा है। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित हो रहे वैश्विक एआई सम्मेलन में दो दिन से चल रहे विचार मंथन से एक बात उभर कर आई है कि एआई के समक्ष खड़ी चुनौतियों के हल के लिए दुनिया भारत की ओर निहार रही है।

(नीरज कुमार दुबे)

देखना होगा कि सम्मेलन के अंत में दिल्ली डिक्लेरेशन से क्या निकल कर आता है। लेकिन यहां एक ओर बात की आवश्यकता महसूस हुई कि भारत को यदि इस क्षेत्र में नेतृत्व हासिल करना है तो बड़े निवेश और सरल तथा प्रभावी नीतियों की भी जरूरत है। देखा जाए तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई अब केवल नई तकनीक का आकर्षण नहीं रही, बल्कि यह अर्थव्यवस्था, उद्योग, ऊर्जा, नीति और वैश्विक शक्ति संतुलन का केंद्र बन चुकी है। दुनिया के बड़े देश इसे रणनीतिक साधन की तरह देख रहे हैं। डाटा, कंप्यूटिंग शक्ति और उन्नत चिप आज के दौर का नया तेल बन चुके हैं। ऐसे समय में भारत के सामने मूल प्रश्न यह है कि वह एआई की दौड़ में केवल उपभोक्ता बन कर रहेगा या निर्माता और नेता की भूमिका निभाएगा।

भारत ने पहले भी तकनीकी मोड़ पर सही फैसले लेकर इतिहास बदला है। नब्बे के दशक में सूचना तकनीक और सॉफ्टवेयर सेवाओं पर जोर देने से लाखों रोजगार बने, भारतीय कंपनियां दुनिया भर में छा गईं और देश को नई पहचान मिली। आज एक वैसा ही मोड़ फिर सामने है, लेकिन इस बार दांव कहीं बड़ा है। एआई न केवल सेवाओं को, बल्कि कारखानों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, दवा उद्योग, परिवहन और ऊर्जा व्यवस्था तक को बदल सकती है।

यह समझना जरूरी है कि एआई एक ही तरह की चीज नहीं है। उपभोक्ता एआई, जैसे चैट टूल या मनोरंजन आधारित अनुप्रयोग, तेजी से लोकप्रिय होते हैं, पर इन पर अक्सर कुछ ही बड़ी कंपनियों का दबदबा हो जाता है। इसके विपरीत औद्योगिक एआई हर क्षेत्र के लिए अलग समाधान मांगती है। हर उद्योग का अपना डाटा, अपनी समस्या और अपना कामकाज होता है। इसलिए क्षेत्र विशेष मॉडल बनते हैं। यही भारत की ताकत बन सकती है, क्योंकि यहां उद्योगों की विविधता और पैमाना दोनों मौजूद हैं।

उदाहरण के लिए दो पहिया वाहन उद्योग को लें। भारत दुनिया के सबसे बड़े दो पहिया बाजारों में है। यह क्षेत्र रोजगार, शहरीकरण और आय वृद्धि से जुड़ा है। अब इलेक्ट्रिक दो पहिया का चलन भी बढ़ रहा है। ऐसे में एआई आधारित मांग अनुमान, डिजाइन सुधार, गुणवत्ता जांच और आपूर्ति प्रबंधन से भारी लाभ हो सकता है। मशीन लर्निंग सिस्टम खराबी का पहले ही संकेत दे सकते हैं। इससे ठहराव घटता है, लागत कम होती है और उत्पादन तेज होता है।

दवा उद्योग में भी अवसर विशाल हैं। भारत जेनेरिक दवाओं का बड़ा उत्पादक है, पर गुणवत्ता बनाए रखना चुनौती रहता है। एआई आधारित विजन सिस्टम उत्पादन के दौरान सूक्ष्म दोष पकड़ सकते हैं। डाटा विश्लेषण से प्रक्रिया स्थिर रखी जा सकती है। रोबोटिक ऑटोमेशन दोहराव वाले काम सुरक्षित और सटीक तरीके से कर सकता है। इससे भारत की विश्वसनीयता बढ़ेगी और ऊंचे मूल्य वाले बाजार खुलेंगे।

लेकिन एआई की ताकत केवल सॉफ्टवेयर से नहीं आती, इसके लिए भारी कंप्यूटिंग शक्ति चाहिए, जो उन्नत चिप यानी जीपीयू से मिलती है। ये चिप बहुत महंगी होती हैं। एक उन्नत जीपीयू की कीमत लाखों रुपये तक जा सकती है। भारत ने हजारों जीपीयू लगाए हैं और डाटा केंद्र तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले वर्ष डाटा केंद्रों ने बिजली ग्रिड से भारी मात्रा में बिजली ली, जो किसी बड़े शहर की मांग के बराबर बैठती है। आने वाले वर्षों में यह मांग कई गुना बढ़ सकती है। यह भारत की बढ़ती डिजिटल क्षमता का संकेत है, पर साथ ही ऊर्जा चुनौती का भी। अगर भारत को एआई में अग्रणी बनना है तो केवल कुछ हजार जीपीयू काफी नहीं होंगे। अमेरिका आज भी इस क्षेत्र में आगे है। उसके पास विशाल डाटा केंद्र क्षमता है और वह उन्नत जीपीयू की आपूर्ति पर नियंत्रण रखता है। इसी कारण वह तकनीकी बढ़त बनाए हुए है। चीन को रोकने की रणनीति में भी चिप आपूर्ति अहम रही है। चीन ने भी इस दौड़ को बहुत पहले समझ लिया था। उसने चिप निर्माण में भारी निवेश किया। उसकी बड़ी तकनीकी कंपनियां अपने एआई चिप बना रही हैं। भले वे अभी सबसे उन्नत स्तर पर न हों, पर तेजी से आगे बढ़ रही हैं। अमेरिका में भी बड़ी तकनीकी कंपनियां खुद चिप डिजाइन में उतर चुकी हैं। ऐसे माहौल में यदि भारत केवल पुराने स्तर की चिप बनाता रह गया तो वह पीछे छूट सकता है। तो क्या समाधान है? क्या हमें अपनी आकांक्षा घटा लेनी चाहिए? कुछ लोग कहते हैं कि भारत की प्रति व्यक्ति बिजली खपत अभी विकसित देशों से कम है। जैसे जैसे लोग समृद्ध होंगे, उन्हें घरों में अधिक बिजली चाहिए होगी। अगर एआई के कारण बिजली महंगी हुई तो जीवन स्तर प्रभावित हो सकता है। यह चिंता सही है, पर इसका मतलब यह नहीं कि हम पीछे हट जाएं। दरअसल जरूरत बड़े सोच की है। भारत को एक साथ दो मोर्चों पर काम करना होगा।

पहला, घरेलू चिप निर्माण और डिजाइन को बढ़ावा देना। इसके लिए नीति समर्थन, निवेश और कौशल विकास जरूरी है। दूसरा, ऊर्जा ढांचा मजबूत करना। नवीकरणीय ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, बेहतर ग्रिड और भंडारण तकनीक पर जोर देना होगा ताकि डाटा केंद्रों की मांग पूरी हो सके। इसके साथ ही एआई का लाभ केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे। मध्यम और छोटे उद्योगों तक भी पहुंचे। इसके लिए साझा प्लेटफॉर्म, क्लाउड ढांचा और क्षेत्र विशेष समाधान जरूरी हैं। सरकार, उद्योग और शिक्षण संस्थानों को मिल कर काम करना होगा। शोध संस्थान मॉडल विकसित करें, उद्योग वास्तविक समस्याएं और डाटा दें, और सरकार नियम, प्रोत्साहन तथा अवसंरचना दे। भारत को ऐसे नेतृत्व की भी जरूरत है जो अलग अलग पक्षों को जोड़ सके और भरोसा बना सके। एआई को नौकरी छीनने वाली नहीं, बल्कि नई क्षमता देने वाली तकनीक के रूप में समझाना होगा। कौशल प्रशिक्षण, पुनः प्रशिक्षण और शिक्षा सुधार पर जोर देना होगा। बहरहाल, अब सवाल यह है कि एआई की दिशा कौन तय करेगा? अगर भारत ने समय रहते साहसिक फैसले लिए, चिप निर्माण, ऊर्जा ढांचा और औद्योगिक एआई पर जोर दिया, तो वह केवल तकनीक का बाजार नहीं रहेगा, बल्कि दिशा देने वाला देश बन सकता है। आईटी क्रांति ने भारत को विश्व मंच पर जगह दी थी। एआई और उन्नत कंप्यूटिंग भारत को आर्थिक शक्ति और तकनीकी आत्मनिर्भरता के नए दौर में पहुंचा सकती है। अवसर हमारे सामने है। अब निर्णय और क्रियान्वयन हमारी जिम्मेदारी है।

स्टोरी शानदार पर 'रोमियो' का जादू फीका

जिस फिल्म की कहानी दमदार हो, शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी जैसे कलाकारों की परफॉर्मेंस भी शानदार हो- इसके बावजूद वह फिल्म अगर बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार न चल सके- तो यह बात जरूर विचारणीय हो जाती है। आखिर विशाल भारद्वाज वह जादू क्यों नहीं जगा सके, जिसके लिए जाने जाते हैं। हर प्लेटफॉर्म पर यही सवाल आम है। पिछले हफ्ते आई ओ रोमियो का जो हश्र हुआ- उसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। उम्मीद थी कि हालिया ब्लॉकबस्टर फिल्मों की तरह यह चौंकाने वाले नतीजे दे सकती है लेकिन कलेक्शन के जो आंकड़े सामने आ रहे हैं- वे उत्साह जगाने वाले नहीं हैं। फीडबैक जानना आवश्यक है। क्या विशाल भारद्वाज अपनी पहचान मिटाकर हाल की सफल फिल्मों की धारा में बह गए? जैसा कि उन पर आरोप लगाया जा रहा है।

वैसे मैं अब भी यही मानता हूं कि विशाल भारद्वाज एक ऐसे फिल्ममेकर हैं, जिनके पास कहानी, अभिनय, प्लॉट, गीत-संगीत आदि जैसे दर्शकों को पसंद आने वाले फैक्टर की अच्छी सूझ-बूझ रही है। मकबूल, ओमकारा, इश्किया, हैदर आदि उनकी क्लासिक फिल्मों को याद कीजिए तो उनके सिनेमा का कैनवस समझ आता है। शेक्सपीयर के नाटकों का जिस प्रकार से वो भारतीय और खासतौर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बैकग्राउंड में एक अलग ग्रे दुनिया बसाते रहे हैं, हर किसी के दिलों दिमाग पर उसकी छाप बरकरार है हैरत की बात है कि विशाल भारद्वाज की ओ रोमियो पर उनकी अपनी नहीं बल्कि हाल की ब्लॉकबस्टर फिल्मों की छाप नजर आती है। जबकि यहां कलाकारों ने धांसू एक्टिंग की है, आकर्षक लोकेशन, दमदार प्लॉट, बेहतर कहानी, पटकथा और संवाद भी है लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का रिस्पांस कमजोर। हुसैन जैदी की कहानी पर अब तक कई कामयाब फिल्में बन चुकी हैं। जानकारी के मुताबिक करीब डेढ़ सौ करोड़ के बजट की ओ रोमियो ने इस आर्टिकल के लिखे जाने तक वर्ल्डवाइड करीब साठ करोड़ का कलेक्शन किया है। यह अनुमान और उम्मीद से बहुत कम है। आखिर ऐसा क्यों हुआ?

रणबीर-आदित्य संग खूब जमीं श्रद्धा कपूर की जोड़ी

श्रद्धा कपूर को बॉलीवुड में एंट्री किए एक दशक से ज्यादा का वक्त हो गया है। लंबे करियर में एक्ट्रेस ने कई सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। इन फिल्मों में वो अलग-अलग को-स्टार्स संग नजर आईं। आदित्य रॉय कपूर संग पहली सफल फिल्म देने के बाद उनकी जोड़ी सुर्खियों में रही। फिर रणबीर कपूर और 'स्त्री' में राजकुमार राव संग भी उनकी जोड़ी खूब जमीं। अब एक्ट्रेस पहली बार एक और शानदार एक्टर संग नजर आ रही हैं। दोनों की जोड़ी को लेकर काफी बज है। फिल्म शूटिंग का एक शैड्यूल भी पूरा हो गया है, जिसकी झलकियां सामने आई हैं।

श्रद्धा कपूर और रणदीप हुड्डा ने अपनी आने वाली फिल्म ईथा की पुणे शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है। यह शेड्यूल इस हफ्ते की शुरुआत में खत्म हुआ। शहर और उसके आसपास कई जगहों पर लंबे समय तक शूटिंग की गई। इससे पहले फिल्म की मुंबई शेड्यूल की शूटिंग भी पूरी हो चुकी है, जो जनवरी के अंत से फरवरी तक चली थी। पुणे शेड्यूल खत्म होने पर सेट पर केक काटकर जश्न मनाया गया, जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू मौजूद थे। निर्देशक लक्ष्मण उतेकर और प्रोडक्शन टीम के सदस्य भी इस मौके पर शामिल हुए। इस खास पल का एक वीडियो भी फिल्म के सेट पर बनाया गया। 'ईथा' एक बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म है, जो प्रसिद्ध मराठी तमाशा कलाकार विठाबाई नरायणगांवकर के जीवन से प्रेरित है। इस फिल्म को मैडॉक फिल्म्स प्रोड्यूस कर रही है। फिल्म में श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जबकि रणदीप हुड्डा उनके साथ मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। पुणे शेड्यूल पूरा होने के बाद अब टीम फिल्म की अगली चरण की शूटिंग शुरू करेगी। फिल्म इस साल के अंत में नहीं तो आने वाले साल में रिलीज होगी।

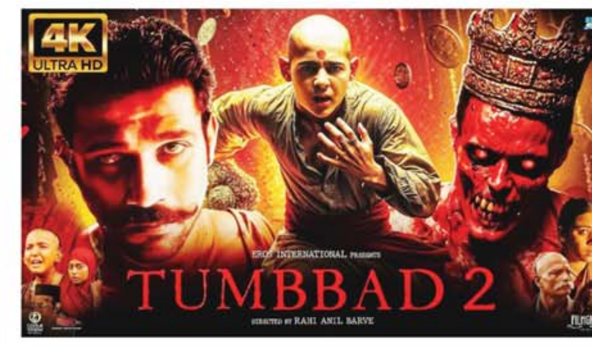

तुम्बाड 2 में दिखेगा हॉलीवुड का जादू

'तुम्बाड 2' अपने क्रिएटिव लेवल को और भी बड़ा बनाने जा रही है, क्योंकि इस मच-अवेइटेड सीक्वल से अब बड़े इंटरनेशनल टैलेंट जुड़ रहे हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सोर्स के मुताबिक, लॉस एंजिल्स के मशहूर कॉन्सेप्ट आर्टिस्ट और क्रिएचर डिजाइनर साइमन ली (स्पाइडरजीरो) और जाने-माने प्रोस्थेटिक डिजाइनर शॉन हैरिसन इस फिल्म का हिस्सा बन गए हैं।

दुनिया भर में क्रिएचर डिजाइन और वर्ल्ड-बिल्डिंग के लिए मशहूर साइमन ली गॉडज़िला वर्सेस कॉन्ग, गॉडज़िलाः किंग ऑफ द मॉन्स्टर्स, कॉन्गः स्कल आइलैंड, पैसिफिक रिम, एज ऑफ टुमारो, स्टार ट्रेक बियॉन्ड, मेलिफिसेंट और अमेजन की सीरीज 'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्सः द रिंग्स ऑफ पावर' जैसे बड़े इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। उनकी खासियत पौराणिक दुनिया और आंखों को चौंधिया देने वाले डरावने जीव तैयार करने में है और यही वो चीजें हैं जो 'तुम्बाड' की दुनिया की जान हैं। शॉन हैरिसन इस प्रोजेक्ट से प्रोस्थेटिक डिजाइनर के तौर पर जुड़े हैं और वह अपने साथ दुनिया भर का बड़ा अनुभव लेकर आए हैं। उन्होंने स्टार वार्स, द ममी, वर्ल्ड वॉर जेड, एवेंजर्सः एज ऑफ अल्ट्रॉन और हैरी पॉटर की सभी फिल्मों के साथ-साथ 'पीकी ब्लाइंडर्स' जैसी टीवी सीरीज में भी काम किया है। उनके आने से फिल्म के किरदारों और उनके लुक्स में और भी बारीकी और असलियत देखने को मिलेगी। इस सीक्वल को एक्टर-प्रोड्यूसर सोहम शाह अपने बैनर 'सोहम शाह फिल्म्स' के तहत बना रहे हैं, और दिग्गज प्रोड्यूसर डॉ. जयंतीलाल गडा की 'पेन स्टूडियोज' इसे पेश कर रही है।

'द लल्ला एंथम' में फिर गूंजा सूबेदार का संदेश

जैसे-जैसे क्रिकेट का बुखार चढ़ रहा है, प्राइम वीडियो 'लल्ला एंथमः अ वार्निंग फ्रॉम सूबेदार' की सफलता को आगे बढ़ाते हुए एक नया दमदार वीडियो लेकर आया है। इस बार इसमें टीम इंडिया के पूर्व ओपनर शिखर धवन, अनिल कपूर के साथ उनके सूबेदार अर्जुन मौर्य वाले रौबदार अवतार में नजर आ रहे हैं। गर्व, संकल्प और अटूट सम्मान से जुड़ा यह वीडियो फिल्म के मुख्य संदेश अपनी जगह डटे रहना और कभी पीछे न हटना को भारतीय क्रिकेट टीम के अपने 'गब्बर' के साथ आगे बढ़ाता है। क्रिकेट के इस जबरदस्त जुनून के बीच, अनिल कपूर और शिखर धवन फिल्म की भावना और मैदान की तीव्रता को एक साथ लाते हुए संकल्प का एक साफ संदेश देते हैं: भिड़ेंगे, लड़ेंगे, आगे बढ़ेंगे।

36 साल पुराना गिफ्ट देख इमोशनल हुए 'रामायण' के लक्ष्मण

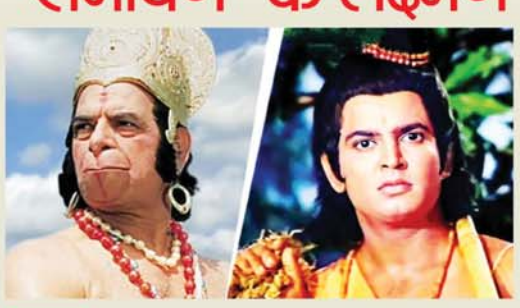

रामायण शो में लक्ष्मण के रोल में दिखे सुनील लहरी सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। वो फैंस संग अक्सर जुड़े रहते हैं। रामायण शो और इसकी स्टारकास्ट से जुड़े किस्से लोगों के साथ शेयर करते हैं। सुनील ने शो में हनुमान के रोल में दिखे दारा सिंह से जुड़ी एक बेशकीमती चीज को दिखाया है। 36 साल पुराने उस अनमोल गिफ्ट को दिखाया जो उन्होंने दारा सिंह ने दिया था। सुनील लहरी ने इंस्टा पर वीडियो पोस्ट कर कहा- इस ब्रीफकेस को देखकर आप सभी लोगों को लग रहा होगा कि मैं कहीं बाहर जा रहा हूं। लेकिन ऐसा नहीं है। मैं कहीं नहीं जा रहा हूं। इस ब्रीफकेस के पीछे की एक कहानी है जो मैं आप लोगों को बताना चाहता हूं। ये ब्रीफकेस मुझे गिफ्ट के तौर पर तकरीबन 35-36 साल पहले हमारे रामायण के हनुमान जी यानी दारा सिंह जी ने दिया था। इसे उन्होंने केन्या की राजधानी नैरोबी में दिया था।

ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाएंगे विवेक अग्निहोत्री

पिछले साल पहलगाम में हुए हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था। उसके बाद बॉलीवुड में कई फिल्ममेकर्स ने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े टाइटल फिल्म बनाने के लिए रजिस्टर करवाए थे। अब खबर है कि 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म के डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म के लिए उन्होंने प्रोड्यूसर और टी-सीरीज के हेड भूषण कुमार के साथ मिलाया है। विवेक अग्निहोत्री और भूषण कुमार दोनों एक साथ मिलकर फिल्म बनाने वाले हैं। पिंकविला की एक रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया कि ये फिल्म टी-सीरीज और विवेक अग्निहोत्री की प्रोडक्शन कंपनी आई एम बुद्धा के बैनर तले बनेगी। फिल्म का डायरेक्शन भी विवेक अग्निहोत्री ही करेंगे। हालांकि, फिल्म का नाम क्या होगा, इसका टाइटल क्या होगा और इसका काम कब तक शुरू होगा, इस बारे में फिलहाल कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है। पहलगाम में हमला 22 अप्रैल 2025 को हुआ था। उसके बाद भारतीय भारतीय सशस्त्र की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। बहरहाल, भूषण कुमार पिछले कुछ समय से 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चा में हैं। वो निधि दत्ता के साथ साल 1997 में इस फिल्म का सीक्वल लेकर आए, 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

विश्वस्तरीय ड्रमर गिनो बैंक्स, विश्वप्रसिद्ध मृदंगम वादक श्रीधर पार्थसारथी, उत्कृष्ट तबला वादक ओजस अधिया, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित कथक और लावणी विशेषज्ञ अदिति भागवत तथा सुप्रसिद्ध बीट बॉक्सिंग (वोकल पर्कशन) कलाकार हार्दिक त्यागी 27 फरवरी को बांद्रा स्थित सेंट एंड्रयूज़ ऑडिटोरियम में होने वाले 'मुंबई ड्रम डे 2026' के लिए मरीन ड्राइव पर आयोजित रिहर्सल में एक साथ नजर आए। मुंबई के सेंट एंड्रयूज़ ऑडिटोरियम में ड्रम सेट को समर्पित इस विशेष संगीत संध्या में अब्बोस कोसिमोव, केन डैनियल, बेट्टीना कास्टानो, ख्वाब हरिया, सिद्धी शाह और सानिध्या दास जैसे विश्वस्तरीय और ख्यातनाम ड्रमर भी अपने प्रस्तुतीकरण से समां बांधेंगे।

फिर एक नई सोच में डूबे अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और कई बार तो देर रात भी पोस्ट शेयर कर देते हैं। उनके पोस्ट अक्सर फैंस के बीच चर्चा का विषय बन जाते हैं। कई बार तो बिग बी अपनी बातें सीधे-सीधे लिख देते हैं तो कई बार गोल-मोल अंदाज में कुछ ऐसा कह जाते हैं, जिसे लेकर सोशल मीडिया यूजर कन्फ्यूज हो जाते हैं। 83 साल के सुपरस्टार ने मंगलवार को भी कुछ ऐसा ही किया। अमिताभ बच्चन ने मंगलवार रात 10 बजे के करीब एक पोस्ट शेयर किया, जिसने उनके फैंस को फिर कन्फ्यूजन में डाल दिया है।

अमिताभ बच्चन का 'सोच' पर ब्लॉग

अमिताभ बच्चन ने अपने हालिया ब्लॉग में 'बहुत सोचने' वर्सेस 'बिल्कुल न सोचने' के विचार पर एक पोस्ट शेयर की है। अपने ब्लॉग में बिग बी ने लिखा- 'बहुत सोचना या या फिर बिल्कुल न सोचना, मेरे पास भेजी गई किताब के लेखन का केस बन गई है। ये किताब किस इरादे से भेजी गई है, मैं ये तो नहीं जानता, मगर इसे पढ़ने पर जरूर विचार करूंगा। और हां, अगर यहां शेयर करने के लिए सामग्री होगी तो इसके बारे में भी 'सोचूंगा'... बहुत प्यार।'

किस किताब की हो रही है बात?

अमिताभ बच्चन का पोस्ट देखने के बाद ज्यादातर यूजर सवाल कर रहे हैं कि आखिर ये किस किताब की बात हो रही है, क्योंकि पोस्ट शेयर करते हुए बिग बी ने इसका खुलासा नहीं किया है वह किस किताब की बात कर रहे हैं। ऐसे में कई ने कमेंट करते हुए किताब का नाम पूछ लिया तो कई का कहना था कि इरादे पर सवाल क्या करना, किताब तो पढ़ने के लिए ही दी गई होगी।

'द केरल स्टोरी 2' को मिलेगी बड़ी ओपनिंग

'द केरल स्टोरी 2'फिल्म 27 फरवरी को थियेटर में रिलीज होने वाली है। फिल्ममेकर विपुल शाह की ये फिल्म टीजर और ट्रेलर रिलीज के साथ ही सुर्खियों में हैं। फिल्म की आलोचना हो रही है लेकिन इसे बॉक्स ऑफिस पर अच्छी ओपनिंग मिलने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'द केरल स्टोरी 2' इस साल की तीसरी बिगेस्ट ओपनर फिल्म बन सकती है। आपको बताते हैं कि ये फिल्म पहले दिन कितना कमा सकती हैं, और कौन की फिल्मों को रिकॉर्ड बना सकती है। ऑडियंस के लिए ये नाम नया नहीं है। 2023 में रिलीज हुई 'द केरल स्टोरी' फिल्म का ये सीक्वल है जिसे कामाख्या नारायण सिंह ने डायरेक्ट किया है। इसके प्रोड्यूसर विपुल शाह हैं। 'द केरल स्टोरी 2' फिल्म

पहले दिन 5-7 करोड़ तक की कमाई कर सकती है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेलर रिलीज के बाद जो बज़ क्रिएट हुआ है उसके मुताबिक फिल्म 5 करोड़ तो कमाएगी ही। 2026 की बिगेस्ट ओपनर फिल्म का रिकॉर्ड सनी देओल की फिल्म 'बॉर्डर 2' के पास है। 'बॉर्डर 2' ने पहले दिन 32.10 करोड़ की कमाई की थी। वहीं, सेकेंड बिगेस्ट ओपनर का रिकॉर्ड शाहिद कपूर की 'ओ रोमियों' के पास है जिसने 7.75 करोड़ की कमाई की। तीसरे नंबर पर प्रभास की The Raja Saab है, जिसके हिंदी वर्जन ने 5.20 करोड़ कमाए थे। अगर ये 'द केरल स्टोरी 2' का 5 करोड़ से 7 करोड़ कमाने का प्रीडिक्शन सही साबित होता है तो 'द राजा साब' को पछाड़कर 'द केरल स्टोरी 2' तीसरा मुकाम हासिल कर सकती है।

सलीम खान का हाल जानने के लिए अस्पताल के बाहर सेलेब्स का तांता

बॉलीवुड के दिग्गज पटकथा लेखक सलीम खान इस समय मुंबई के लीलावती अस्पताल में उपचाराधीन हैं। 90 वर्षीय सलीम खान को मंगलवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद भर्ती कराया गया था। ताजा खबरों के अनुसार सर्जरी के बाद सलीम खान फिलहाल वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं।

सलीम खान के जल्द ठीक होने के लिए फैंस और सेलेब्स दुआ कर रहे हैं। सलीम खान के अस्पताल में भर्ती होने की खबर मिलते ही बॉलीवुड के तमाम सितारे उनका हाल जानने अस्पताल पहुंच रहे हैं। संजय दत्त, जो सलमान खान के साथ एक अटूट भाईचारा साझा करते हैं, देर रात अस्पताल पहुंचे। संजय दत्त के अलावा, सलीम खान के पुराने साथी और मशहूर गीतकार जावेद अख्तर भी उन्हें देखने अस्पताल पहुंचे। इनके साथ ही सलमान खान, अरबाज खान, सोहेल खान, हेलन, सलमा खान, अलवीरा और अर्पिता खान सहित पूरा खान परिवार अस्पताल में ही मौजूद है। जीशान सिद्दीकी और लूलिया वंतूर को भी वहां स्पॉट किया गया। सलीम खान के अस्पताल में भर्ती होने के बाद दिनभर लीलावती में परिवार के लोगों और सेलेब्स का आना-जाना लगा हुआ है। सलीम खान का जन्म इंदौर (मध्य प्रदेश) में हुआ था। उनके पिता पुलिस अधिकारी थे। आज उनका परिवार 'गैलेक्सी अपार्टमेंट' (मुंबई) में रहता है, जो बॉलीवुड का एक प्रमुख लैंडमार्क है। सलीम खान का परिवार इंडस्ट्री के सबसे शक्तिशाली और एकजुट परिवारों में से एक माना जाता है।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने जताई युवराज सिंह की बायोपिक करने की इच्छा

अपनी आगामी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को लेकर चर्चा में बने अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर अपने उस ड्रीम रोल के बारे में खुलकर बात की है, जो सालों से उनके दिल के बेहद करीब है। अपने करियर की शुरुआत क्रिकेट पर आधारित वेब सीरीज़ 'इनसाइड एज' से करनेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर क्रिकेट की तरफ लौटते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने की इच्छा जताई है। गौरतलब है कि अमेजन प्राइम विडियो के वेब सीरीज़ 'इनसाइड एज' में क्रिकेट की चमक-दमक के पीछे की दुनिया को सिद्धांत ने बखूबी उकेरा था। फिलहाल बायोपिक के संदर्भ में सिद्धांत कहते हैं, मैं वर्ष 2019 से कहता आ रहा हूं और आज भी कहूंगा और कहूंगा, बल्कि इसे मैनिफेस्टभी करता हूं एक दिन मुझे मशहूर क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने का मौक़ा मिले। उन्होंने कहा, युवराज सिंह की जर्नी एक रोलरकोस्टर की तरह वाकई अविश्वसनीय रही है। मुझे वे न सिर्फ क्रिकेटर के तौर पर पसंद हैं, बल्कि व्यक्तित्व भी उनका शानदार है। मैं उनके क्रिकेट के साथ उनकी लाइफस्टाइल, और समस्याओं के प्रति उनके जज्बे को सलाम करता हूं, जिस तरह उन्होंने परेशानियों को मात दी। वाकई वे एक आइकन हैं, और दुनिया को उनकी कहानी ज़रूर जाननी चाहिए। गौरतलब है कि बतौर अभिनेता अपने हर किरदार में गहराई और सच्चाई दिखानेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी की इस बात को सुनकर उनके दर्शक सहज ही कल्पना कर सकते हैं कि जब वे उनके क्रिकेट आइडल की भूमिका निभाएंगे तो वह कितना शानदार होगा।

क्या एप्पल साइडर विनेगर सेहत को पहुंचाता है नुकसान?

एप्पल साइडर विनेगर का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। परफेक्ट फिगर से लेकर चमकदार स्किन पाने के लिए लोग इसका सेवन कर रहे हैं। एप्पल साइडर विनेगर को कुछ लोग वजन कम करने के लिए सुबह-सवेरे खाली पेट भी पी रहे हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं रोजाना एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करना आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। एप्पल साइडर विनेगर का लंबे समय तक सेवन करने से आपकी हेल्थ को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा सकता है। क्योंकि एप्पल साइडर विनेगर में बहुत ही स्ट्रांग एसिड होता है, जिसका लिमिट से ज्यादा सेवन नुकसानदायक हो सकता है। अगर आपको एप्पल साइडर विनेगर का फायदा लेना है तो उसका सेवन पर्याप्त मात्रा में ही करने की सलाह दी जाती है। एप्पल साइडर विनेगर के नुकसान क्या-क्या हैं?

दांतों की समस्या

एप्पल साइडर विनेगर बहुत ही ज्यादा एसिडिक होता है, यह ऐसे तो नुकसादायक नहीं लगता है। लेकिन इसका हद से ज्यादा सेवन करना आपके दांत खराब कर सकता है। दांतों पर एक लेयर होती है, जो लिमिट से ज्यादा एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करने से हट सकती है। लेयर हटने से दांतों में सेंसटिविटी और सड़न जैसी समस्या हो सकती है। अगर आपको अपने दांतों से प्यार है तो एप्पल साइडर विनेगर को पानी में मिलाकर और स्ट्रा से पी सकते हैं।

दवाइयों पर असर

अगर आपकी किसी तरह की दवा चल रही है, तो एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करते समय ज्यादा सावधानी की जरूरत है। क्योंकि इसमें मौजूद एसिड, दवाइयों के असर पर प्रभाव डाल सकता है। जिससे अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप किसी तरह की दवा ले रही हैं और एप्पल साइडर विनेगर को भी अपने रूटीन में शामिल करने के बारे में सोच रही हैं तो पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य ले लेनी चाहिए।

पेट की समस्या

एप्पल साइडर विनेगर को डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन इसका लिमिट से ज्यादा सेवनपेट की समस्या हो सकती है। बहुत ज्यादा मात्रा में एसिड का सेवन करने से आपके पेट में जलन हो सकती है। खासकर, अगर आपका गट सेंसिटिव, खट्टे डकार या एसिडिटी की समस्या रहती है तो एप्पल साइडर विनेगर को एक लिमिट में ही लेना चाहिए।

स्किन इरिटेशन

एप्पल साइडर विनेगर का स्किन केयर ट्रीटमेंट्स में भी इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन, इसे स्किन पर डायरेक्ट लगाने से बचना चाहिए क्योंकि इससे जलन और इरिटेशन की समस्या हो सकती है। स्किन के लिए एसिड बहुत हार्ड हो सकता है, ऐसे में इसे डायलियूट करके ही लगाएं। अगर आप एप्पल साइडर विनेगर का टोनर या एक्ने पर इस्तेमाल कर रही हैं, तो पहले थोड़े एरिया पर लगाकर चेक करें।

हड्डियों पर असर

क्या आप जानती हैं एप्पल साइडर विनेगर का बहुत ज्यादा सेवन करने से आपकी हड्डियों पर असर पड़ सकता है? एप्पल साइडर विनेगर का लिमिट से ज्यादा सेवन, शरीर में पोटेशियम की मात्रा को कम करने से लिंक हो सकता है जिसकी वजह से बोन डेनसिटी भी समय के साथ कम हो सकती है। ऐसे में एप्पल साइडर विनेगर का लिमिट में ही सेवन करना चाहिए।

एप्पल साइडर विनेगर के फायदे अनेक हैं, लेकिन किसी भी चीज का अति में सेवन करना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में एप्पल साइडर विनेगर को अपनी डाइट में शामिल करने से पहले उसके फायदे और नुकसान, दोनों के बारे में जान लेना चाहिए। अगर आपको एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करने से किसी तरह का रिएक्शन होता है, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। वैरिकोज वेंस ज्यादातर लोगों के लिए खतरनाक नहीं होती हैं लेकिन कई बार ये गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं। वैरिकोज वेंस हाथ, पैर, एड़ी, टखने और पंजों में ज्यादा दिखाई देती हैं। इस स्थिति में नीली नसें या नसों के गुच्छे साफ नजर आने लगते हैं। अधिकतर मामलों में लोगों को वैरिकोज वेंस की समस्या में दर्द नहीं होता है लेकिन कई लोगों के लिए यह दर्द, खड़े होने में परेशानी और जलन जैसी परेशानी की वजह हो सकती है। अगर आपको भी वैरिकोज वेंस की समस्या है, तो अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके आप इस समस्या से राहत पा सकती हैं।

लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके वैरिकोज वेंस की समस्या से पा सकते हैं राहत

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। वैरिकोज वेंस ज्यादातर लोगों के लिए खतरनाक नहीं होती हैं लेकिन कई बार ये गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं। वैरिकोज वेंस हाथ, पैर, एड़ी, टखने और पंजों में ज्यादा दिखाई देती हैं। इस स्थिति में नीली नसें या नसों के गुच्छे साफ नजर आने लगते हैं। अधिकतर मामलों में लोगों को वैरिकोज वेंस की समस्या में दर्द नहीं होता है लेकिन कई लोगों के लिए यह दर्द, खड़े होने में परेशानी और जलन जैसी परेशानी की वजह हो सकती है।

कई बार इन नसों में ब्लीडिंग भी हो जाती है। वैरिकोज वेंस के कारण क्या हैं और किन आसान तरीकों की मदद से इन्हें मैनेज किया जा सकता है।

इस बारे में हमने डाइटीशियन, पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट से बात की और उनसे इसे मैनेज करने के कुछ टिप्स जानें। आइए आपको बताते हैं।

वैरिकोज वेंस के कारण

- लंबे वक्त तक खड़े रहना
- वजन अधिक होना
- प्रेग्नेंसी
- नसों पर अधिक दबाव
- हार्मोनल इंबैलेंस
- बढ़ती उम्र

इस बात का ख्याल

पुराने वक्त में घरों में खाना बनाने के लिए चूल्हे का प्रयोग होता था। महिलाएं बैठकर खाना बनाती थी लेकिन आज के वक्त में खड़े रहकर ही खाना बनाया जाता है। ये भी वैरिकोज वेंस की एक बड़ी वजह है। जब महिलाएं बैठकर खाना बनाती थी तो वे लंबे वक्त तक खड़ी नहीं रहती थी जिससे वैरिकोज वेंस की समस्या कम देखने को मिलती थी। इससे पेल्विक मसल्स को भी फायदा होता था।

इन टिप्स को करें फॉलो

- अगर आपको वैरिकोज वेंस की समस्या है तो कुछ आसान टिप्स को फॉलो करके आप इसे मैनेज कर सकती हैं।
- लंबे समय तक खड़ी ना रहें। कुछ देर खड़ी रहने के बाद बैठ जाएं।
- पैरों पर अधिक प्रेशर न डालें।
- अगर आपका वजन अधिक है तो इसे कम करने की कोशिश करें।
- ज्यादा पानी पिएं।
- अपनी डाइट में ताजे फल और सब्जियों को शामिल करें।
- डॉक्टर से सलाह लेकर कम्प्रेशन स्टॉकिंग्स पहनें। इससे वैरिकोज वेंस को बढ़ने से रोका जा सकता है।
- अगर समस्या ज्यादा है तो डॉक्टर से ट्रीटमेंट जरूर करवाएं।

वैरिकोज वेंस होने पर न करें ये 5 काम, बढ़ सकती है मुश्किल

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। यह कई कारणों से हो सकती हैं। अगर आपको यह समस्या है, तो कुछ कामों को करने से बचें वरना आपकी मुश्किल बढ़ सकती है।

वेरिकोज वेंस के बारे में काफी लोग नहीं जानते हैं। लेकिन, यह नसों से जुड़ी एक समस्या है। आपने कुछ लोगों के हाथ, पैर, एड़ी, पंजे या टखनों में नीली नसे या नसों के गुच्छे देखे होंगे। ये वेरिकोज वेंस होती हैं। इन्हें स्पाइडर वेंस भी कहा जाता है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं और यह समस्या पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में देखने को मिलती है। आमतौर पर इनसे कोई खतरा नहीं होता है। लेकिन, कई बार ये मुश्किल खड़ी कर सकती हैं। इनकी वजह से कई बार, टांगों में खून की सप्लाई पर असर होता है। कई लोगों को इनकी वजह से खड़े होने में परेशानी हो सकती है। वहीं, कई बार इनमें दर्द और जलन भी होती है। अगर आपको यह समस्या है, तो आपको कुछ कामों को पूरी तरह अवॉइड करना चाहिए।

वेरिकोज वेंस होने पर बिल्कुल न करें ये काम

- अगर आपको वेरिकोज वेंस की समस्या है, तो ज्यादा देर बिल्कुल खड़े न रहें। इससे आपकी दिक्कत बढ़ सकती है। ज्यादा देर खड़े रहने के कारण, नसों में खून जमने लगता है इससे नसों पर अधिक प्रेशर पड़ता है।
- वेरिकोज वेंज होने पर, आप भारी वजन न उठाएं। दरअसल, भारी वजन उठाने से नसों पर दबाव पड़ता है और इससे नसों में खिंचाव पैदा होता है। इसकी वजह से नसे कमजोर होने लगती हैं।
ऐसा नहीं हैं कि आप बिल्कुल वजन नहीं उठा सकती हैं। लेकिन, अधिक भारी चीजों को उठाने से बचें।
- हाई हील्स वाले सैंडिल न पहनें। इससे ब्लड फ्लो बाधित होता है और नसों पर दबाव पड़ता है।
- वेरिकोज वेंस होने पर, आपको मुलायम और आरामदायक चप्पले पहननी चाहिए।
- अगर आपको वेरिकोज वेंस हैं, तो आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपको कब्ज न हो। अगर आपका पेट ठीक से साफ नहीं हो रहा है, आपको कब्ज है, तो इसकी वजह से पेट साफ होने पर नसों पर दवाब आता है और परेशानी बढ़ सकती है।
- अधिक कठोर या खुरदुरी जगह पर न चलें। इससे भी नसों पर प्रेशर आता है।

ट्रेवल के दौरान खराब नहीं होगा डाइजेशन अपनाएं ये टिप्स

क्या ट्रेवलिंग के दौरान आपका भी पेट गड़बड़ हो जाता है,गैसे और कब्ज से परेशान हो जाते हैं तो आप इन टिप्स को फॉलो करके इसमें आराम पा सकते हैं।

ट्रेवल करना मजेदार और रोमांच से भरा होता है, लेकिन अक्सर ट्रैवलिंग के दौरा पेट साथ नहीं देता है, अक्सर लोगों को एसिडिटी, कब्ज, जैसी दिक्कत हो जाती है जिसके कारण सफर का मजा किरकिरा हो जाता है, फ्रेशनेस महसूस नहीं होती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो हम आपको एक्सपर्ट के बताए कुछ टिप्स बता रहे हैं जिसे फॉलो करने से ट्रेवलिंग के दौर आपको दिक्कत नहीं होगी

- ट्रैवल के दौरान डाइजेशन को सही रखना है तो खाली पेट कैफ़ीन का सेवन करने से बचें, इससे एसिडिटी बढ़ाने की संभावना रहती है।
- रात को सोते वक्त नाभि में तेल जरूर लगाएं, इससे मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है। पाचन बेहतर होता है और गैस की समस्याएं कम होती है। यह एक बेहद सरल और प्रभावी उपाय है।
- सूर्य नमस्कार करना ना भूलें, इससे न सिर्फ फिटनेस को बढ़ावा मिलता है बल्कि आपके पाचन तंत्र को भी सक्रिय करने में मदद मिलती है। यह पेट के अंगों में रक्त प्रवाह को बढ़ाता है और पाचन क्रिया को मजबूत करता है।
- रोज सुबह एक चम्मच शहद का सेवन करें, यह नेचुरल लैक्सेटिव गुणों वाला होता है जो कब्ज और गैस की समस्याओं में मदद करता है।
- ट्रेवल के दौरान ठंडा खाना खाने से बचें, ठंडा खाद्य पदार्थ पाचन को धीमा कर सकते हैं, कोशिश करें कि आपके भोजन का तापमान सामान्य गर्म हो ताकी पाचन प्रक्रिया सुचारू बनी रहे।
- फलों और दूध को एक साथ ना खाएं, इससे ब्लोटिंग और असुविधा हो सकती है। फल जल्दी पचते हैं जबकि दूध में अधिक समय लगता है।
- सोने से पहले वज्रासन में जरूर बैठें, इससे पेट पर दबाव पड़ता है जो पाचन अंगों को सक्रिय करता है और भोजन को सही से पचने में मदद करता है।
- रात को सोने से पहले कैफीन का सेवन न करें, इससे आपकी नींद खराब हो सकती है और पाचन में बाधा आ सकता है।
- रात का खाना जल्दी खाने से आपके शरीर को भोजन पचाने के लिए पर्याप्त समय मिलता है। इसे पोषक तत्वों का बेहतर अवशोषण होता है और असुविधा की संभावना कम होती है।

उम्र बढ़ने के साथ कमजोर होने लगती है पास की नजर

प्रेसबायोपिया यानी पास की नजर का कमजोर होना है। यह बीमारी उम्र के साथ होने वाले सामान्य बदलाव के कारण होती है जोकि 40 की उम्र के बाद देखने को मिलती है। हालांकि मोबाइल फोन और इसी तरह के अन्य गैजेट्स के इस्तेमाल करने से कई बार यह बीमारी उम्र से पहले ही नजर आने लगती है। इसमें नजर को पास में केंद्रित कर पाने में परेशानी होती है। खासकर छोटे अक्षरों और कम रोशनी में। शुरू में तो व्यक्ति मोबाइल या किताब को दूर कर पढ़ लेता है लेकिन बाद में दिखाई नहीं देता है।

कारण - इसका मुख्य कारण उम्र का अधिक होना है। यह बीमारी 40वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में आम है, लेकिन मोबाइल, कम्प्यूटर और टेबलेट्स के अत्यधिक इस्तेमाल से लोगों को जल्द ही चश्मा लग जाता है। एस्टीमैटिज्म (दृष्टिवैषम्य), नियरसाइटेडनेस (निकटदृष्टि दोष) और फारसाइटेडनेस (दूरदृष्टि दोष) के रूप में प्रेसबायोपिया में अंतर पाया जा सकता है, जो कि आंखों की पुतलियों के आकार से संबंधित है और आनुवांशिक व पर्यावरणीय कारणों से होते हैं।

लक्षण-इलाज - प्रेसबायोपिया के मरीजों को नजदीक का काम करने जैसे कढ़ाई या हाथों से लिखने पर सिरदर्द, आंखों पर दबाव या थकान महसूस होने लगता है। अगर बीमारी की पहचान शुरुआती चरण में हो जाती है तो दिनचर्या में कुछ बदलाव कर इसको नियंत्रित किया जाता है, लेकिन बीमारी बढ़ने पर सर्जरी की जाती है। इसके लिए कंडक्टिव कैरेटोप्लास्टी या कॉर्नियल इन-लेज आदि सर्जरी की जाती है।

चश्मा - बायफोकल या प्रोग्रेसिव लैंस लगे चश्मे प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए सबसे अच्छे होते हैं। बायफोकल का मतलब है, जिसमें दो फोकस होते हैं। चश्मे के लैंस का प्रमुख भाग दूरदृष्टि दोष के सुधार के लिए होता है जबकि लैंस का निचला हिस्सा निकट दृष्टि दोष के लिए होता है। प्रोग्रेसिव प्रकार के लैंस बायफोकल लैंस के समान होते हैं लेकिन उनके बीच कोई लकीर नजर नहीं आती। इसको पहन सकते हैं।

जांचें - इसकी जांच भी आंखों की दूसरी बीमारियों की तरह ही होती है। डॉक्टर, पहले आंखों में दवा डालकर पुतलियों को फैलाते हैं। इसके बाद तेज रोशनी में आंखों की जांच करते हैं। इस प्रक्रिया में करीब एक घंटे का समय लगता है। इसके अलावा भी डॉक्टर कुछ अन्य टैस्ट भी करवाते हैं।

माता मावली मेला के समापन अवसर पर पहुंचे सांसद महेश कश्यप, देवी देवता और संस्कृति को सहेजकर रखने की दी सुझाव

सांसद कश्यप ने रील प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित, युवाओं की प्रतिभा को सराहा

माता मावली मेला में अलंकार बैंड बिलासपुर की प्रस्तुति ने बटोरी सुर्खियां

नारायणपुर। जिले में माता मावली मेला 2026 के अंतिम दिवस का आयोजन अत्यंत भव्य एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री महेश कश्यप ने नारायणपुर की जनता एवं सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति और परंपरा हमारी पहचान है, जिसे सदैव संरक्षित रखना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने बताया कि वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा माता मावली मेला को उत्सव का दर्जा प्रदान किया गया है और अब इसे माता मावली उत्सव के रूप में आयोजित किया जाएगा। सांसद कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने मन की बात में माता मावली मेला नारायणपुर का उल्लेख कर इसकी सांस्कृतिक महत्ता को राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि माता मावली मड़ई क्षेत्रीय लोक संस्कृति, परंपरागत आस्था और सामाजिक समरसता का प्रतीक है, जिसका निर्वहन सैकड़ों वर्षों से किया जाता रहा है। राज्य शासन द्वारा लोक कला और परंपराओं के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम तथा नगर पालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल ने भी संबोधित करते हुए मेले की गरिमा और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। माता मावली मेला के अवसर पर आयोजित रील प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। सांसद महेश कश्यप द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले हर्षित नेताम को 20 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई। द्वितीय स्थान नाशिक सहारे को 10 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान चमन कचलाम को 5 हजार रुपये की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बिलासपुर से आए अलंकार बैंड की शानदार प्रस्तुति रही, जिसने अपनी मनमोहक धुनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे आयोजन ने सांस्कृतिक एकता, परंपरा और उत्साह का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष पिंकी उसेंडी, जनपद पंचायत ओरछा के उपाध्यक्ष मंगडू नुरेटी सहित जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर नम्रता जैन, पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुरिया, जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम अभयजीत मांडवी, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग राजेंद्र सिंह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष कोर्राम सहित पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

कांकेर में सी.जी.पीएससी अभ्यर्थियों हेतु प्रेरणात्मक कार्यशाला, कलेक्टर व सीईओ ने दिया सफलता का मंत्र

कांकेर। जिले में प्रतिभाओं को नई दिशा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा मावा मोदोल सशक्त सेंटर लाइब्रेरी कोचिंग केंद्र, कांकेर में पीएससी अभ्यर्थियों के लिए विशेष मोटिवेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने अपने प्रेरणादायी एवं ओजस्वी संबोधन से विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार किया। कलेक्टर क्षीरसागर ने कहा कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा केवल ज्ञान की नहीं, बल्कि धैर्य, अनुशासन, निरंतरता और आत्मविश्वास की भी परीक्षा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि लक्ष्य बड़ा हो तो मेहनत भी उसी स्तर की होनी चाहिए। उन्होंने अभ्यर्थियों को प्रतिदिन नियोजित अध्ययन, विषयों की गहन समझ, नियमित मॉक टेस्ट और समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि असफलता अंत नहीं, बल्कि सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण अनुभव है। यदि विद्यार्थी सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय के साथ तैयारी करें तो सफलता निश्चित है। कलेक्टर ने जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि प्रशासन ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को हर संभव संसाधन और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। मावा मॉडल निःशुल्क कोचिंग के माध्यम से जिले की प्रतिभाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सक्षम बनाया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी ने भी अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए नियमित रिवीजन, करंट अफेयर्स पर विशेष पकड़ और संतुलित दिनचर्या बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने जानकारी दी कि पीएससी प्रारंभिक परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को आगे की तैयारी हेतु जिला प्रशासन द्वारा निःशुल्क आवासीय कोचिंग सुविधा प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी, डीएमसी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। संवाद सत्र में अभ्यर्थियों ने अपने प्रश्न रखे और अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

निकासी बैठक में अनियमितताओं पर सख्ती, 20 पंचायतों से वसूली

5 रोजगार सहायकों और एक तकनीकी सहायक पर अर्थदंड

बीजापुर। जनपद पंचायत के सभाकक्ष में सामाजिक अंकेक्षण से जुड़ी अनियमितताओं पर कार्रवाई को लेकर निकासी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम जागेश्वर कौशल ने की। इसमें वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक महात्मा गांधी नरेगा और प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजनाओं के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में हुए सामाजिक अंकेक्षण के दौरान सामने आए मामलों की सुनवाई कर निराकरण किया गया। बैठक में 26 पंचायतों के ऑडिट प्रकरणों की समीक्षा की गई। जांच के बाद करीब 20 पंचायतों से वसूली के निर्देश दिए गए, जबकि पांच पंचायतों के रोजगार सहायकों और एक तकनीकी सहायक पर अर्थदंड लगाया गया। वसूली की राशि एक ग्राम पंचायत में 623 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक तय की गई, वहीं प्रकरणों के अनुसार 200 से 1000 रुपए तक का जुर्माना लगाया गया।जिन पंचायतों से वसूली की गई, उनमें नैमेड, तुमनार, पापनपाल, मिडते, चेरपाल, मुसालूर, दुगोली, बोरजे, धनोरा, कैका, ईटपाल, मनकेली, कांडुलनार, गंगालूर, कमकानार, चिन्नाकवाली, मोरमेड़, तोयनार, संतोषपुर और पेदाकोडेपाल शामिल हैं।

दो विभागों को चेतावनी जारी करने के निर्देश-सोशल ऑडिट टीम ने बताया कि चिन्नाकवाली ग्राम पंचायत में उद्यानिकी विभाग द्वारा कराए गए कार्यों में आपत्तियां दर्ज की गई, लेकिन निराकरण के लिए लगातार पत्राचार के बावजूद अपेक्षित सहयोग नहीं मिला।

इसी तरह कृषि विभाग पर भी ऑडिट प्रक्रिया में लापरवाही का आरोप लगा। इस पर एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर सभी अभिलेख प्रस्तुत कर ऑडिट में सहयोग करने के निर्देश दिए। तय समय में कार्रवाई नहीं होने पर राशि वसूली की चेतावनी भी दी गई। बैठक में उपसंचालक पंचायत हिमांशु साहू, सहायक परियोजना अधिकारी मनीष सोनवानी, कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र गवेल सहित तकनीकी सहायक, सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक मौजूद रहे।

यूजर चार्ज के नाम पर असंवैधानिक वसूली बंद करें महापौर,बिना शासन के निर्देश बिना किसी सामान्य सभा स्वीकृति के राशि वसूलना अनैतिक कृत्य,होगा पुरजोर विरोध : राजेश चौधरी

अस्थाई व फुटपाथ व्यापारियों से यूजर चार्ज लेने हेतु शासन निर्देश हैं तो विधिवत महापौर परिषद और सामान्य सभा में विषय लेकर आए महापौरः राजेश चौधरी

जगदलपुर। नगर पालिक निगम जगदलपुर के नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि जिस भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जगदलपुर विधायक किरण देव महापौर संजय पांडे कांग्रेस पार्टी को धर्म विरोधी मंदिर विरोधी बोल बोल कर जनता से वोट लेकर सत्ता हासिल करने वाले ढोंगियों की सरकार में आज महाशिवरात्रि के दिन शिवालयों के सामने इतने वर्षों से सफाई के बाद चुना डाला जाता था ट्रिपल इंजन की सरकार में आज शिवालयों के सामने सफाई के बाद चुना डालने की हैसियत नहीं बची है जबकि प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के दिन शिवालयों के सामने सफाई के बाद चुना डाला जाता था दीपोत्सव के लिए चंदा लेने वाली निगम सरकार शिवरात्रि के पहले कम से कम शिवालयों के सामने ऐसी व्यवस्था देने के लिए भी चंदा मांग लेते। क्योंकि सरकार के पास धार्मिक कार्यों के लिए अब पैसा नहीं बचा है और धर्म के ठेकेदारों को भी भाजपा के नकारा सरकार की कमियां नहीं दिखती है एक तरफ महापौर खुद को धर्म का हितैषी बताते हैं और दूसरी ओर धार्मिक कार्यों के लिए सरकारी सहयोग से पल्ला झाड़ते हुए आम नागरिकों और संस्थाओं से चंदा मांगने का काम करते हैं। नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने आगे बताया जिन फुटपाथ के फुटकर व्यापारियों से सरकार द्वारा अस्थाई दखल चार्ज लेना बंद कर दी थी आज उन्हीं फुटपाथ के फुटकर व्यापारियों से यूज़र चार्ज के नाम पर अनाप-शनाप वसूली की जा रही है जिस संबंध में किसी प्रकार का कोई सकारात्मक जवाब ना महापौर परिषद ना निगम प्रशासन के द्वारा दिया जा रहा है जबकि नियम है कि कोई भी कर लागू करने से पूर्व राज्य सरकार के निर्देशानुसार महापौर परिषद और सामान्य सभा से पारित करके किया जाता है जो यूज़र चार्ज वार्षिक लिया जाता था अब सनातनी महापौर बनने के बाद निगम प्रशासन के द्वारा मासिक वसूली की जाने की बात वसूली करने वाले कर्मचारी द्वारा बताई जा रही है और महापौर जी को यह वसूली जायज लगती है क्योंकि वह स्वयं महापौर बनने के बाद लगातार शहर की जनता को आर्थिक चोट देते आ रहे हैं जैसे 300 का पानी टैंकर 500 हो गया 500 वाला पानी टैंकर 1000 हो गया सामाजिक और धार्मिक अनुष्ठानों में निशुल्क दिए जाने वाला टैंकर का 500 लगेगा यदि स्टोरेज करेंगे तो 300 लगेगा। तरण ताल में बच्चों का टिकट चार्ज?50 और बड़ों का ?100 निर्धारित था आज उसे बढ़ाकर बच्चों का ?100 और बड़ों का ?200 किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास का लाभ लेने वाले बीपीएल परिवारों को संपत्ति कर के दायरे में नहीं लिया जाना है परंतु महापौर जी के निर्देशानुसार उन गरीब परिवारों को जिन्हें प्रधानमंत्री आवास का लाभ मिला है आज उन्हें संपत्ति कर दाता बना दिया गया है और अब उनसे जल कर भी 60/ङ्क प्रतिमाह के जगह 200/ङ्क प्रतिमाह लेंगे। यदि प्रधानमंत्री आवास का लाभ लेने वाले परिवार 300 वर्ग फुट से अधिक में निर्माण कार्य करते हैं तो अधिक निर्माण क्षेत्र का माप लेकर उनसे संपत्ति कर लिया जाना चाहिए परंतु इस दिशा में बिना किसी निर्देश बिना किसी मापदंड के सभी गरीब प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों से संपत्ति कर लिया जाना न्याय संगत नहीं है महापौर जी और राजस्व सभापति कहते हैं की दर नहीं बड़े हैं रीएसेसमेंट के कारण से कर बढ़ गया है तो महापौर जी को जनता को यह भी बता देना चाहिए की किन परिवारों का रिएसेसमेंट पहले गलत लिया गया था और अभी सही लिया गया है और पहले उन्हें कौन सा दर लगा था और अभी कौन सा दर लगा है क्योंकि कई मकानों में तीन-तीन गुना टैक्स लगा दिया गया है जबकि उन हितग्राहियों के द्वारा कोई नया निर्माण नहीं किया गया है विधायक जी महापौर जी भूल गए हैं की यही जनता उनके लिए कुछ लाभदायक कार्य होगा सोच कर अपना वोट देकर इन्हें पदासीन किया है,उन्हें क्या मालूम था कि उनके पद में बैठने के बाद सबसे पहले आर्थिक चोट उन्हें ही मिलेगी,जिन्होंने अपना वोट देकर इन्हें सत्ता में बिठाया है। हमने आयुक्त नगर निगम जगदलपुर महापौर नगर निगम जगदलपुर और कलेक्टर महोदय को पत्र लिखकर इन सारे मांगों पर तत्काल जांच कर नियमतः संपत्ति कर एवं यूजर चार्ज लेने का आग्रह किया है यदि जल्द से जल्द कार्यवाही नहीं होती है तो नगर वासियों और उन गरीब प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों तथा फुटकर व्यापारियों को साथ लेकर कांग्रेस पार्षद दल एवं कांग्रेस पार्टी महापौर जी का एवं निगम कार्यालय का घेराव करने के लिए बाध्य होंगे। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी महापौर जी एवं निगम प्रशासन की होगी।

अल्पदृष्टि बाधित बच्चे अब पढ़ सकेंगे पुस्तक, किया गया चश्मा का वितरण

कांकेर। -उत्तर बस्तर कांकेर 17 फरवरी 2026 कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार एवं जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न शालाओं में अध्ययनरत 442 अल्पदृष्टि बाधित बच्चों को चश्मा वितरण किया गया। इन सभी बच्चों को समावेशी शिक्षा के अंतर्गत विकासखण्ड स्तर पर कार्यरत बी.आर.पी. व स्पेशल एजुकेटर के सहयोग से आंकलन शिविर के माध्यम से बच्चों का आँखों का जांच कराकर बच्चों को चश्मा वितरण किया गया। अब ये दिव्यांग बच्चे भी आसानी से पुस्तक पढ़ व लिख सकेंगे तथा अपना दैनिक जीवन के क्रियाकलाप आसानी से कर सकेंगें। चश्मा वितरण हेतु बच्चों के चयन के लिए जिले के सभी विकासखण्ड मुख्यालय में आंकलन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों का चिन्हांकन कर विशेषज्ञ डाक्टरों के द्वारा आंखो की जांच किया जाकर चश्मा का नम्बर लिया गया। ऐसे बच्चे जिनके आंखों की जांच नहीं हो पाया, ऐसे अल्पदृष्टि बच्चों का जिला चिकित्सालय में जांच कराया गया तथा सभी पात्र बच्चों के लिए जिला प्रशासन व समग्र शिक्षा के माध्यम से चश्मा उपलब्ध कराया गया। चश्मा पाकर खुशी जाहिर करते हुए भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के कक्षा 10वीं में अध्ययनरत छात्रा कु. सोनिका भण्डारी ने बताया कि मुझे पुस्तक पढ़ने-लिखने में बहुत परेशानी होती थी, अब चश्मा मिलने पर मैं आसानी से पुस्तक पढ़ व आसानी से लिख सकती हूँ, अभी बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने में कोई परेशानी नहीं होगी। इसी तरह छात्रा कु. कंचन धुरव, कु. संगीता नरेटी, कु. शिखा चौहान और भूपेन्द्र कठेले ने बताया कि अब चश्मा मिलने से हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है।

अपनी मांगों को लेकर प्लेसमेंट कर्मचारियों ने सीएमओ से की मुलाकात, पालिका इतिहास में पहली बार होगी त्रिपक्षीय बैठक

कांकेर। कांकेर नगर पालिका कांकेर के प्लेसमेंट कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) एवं पालिका अध्यक्ष से मुलाकात की। कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं को विस्तार से अधिकारियों के समक्ष रखते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन, कांकेर इकाई के अध्यक्ष राकेश बिछिया एवं महासचिव दिलीप साहू ने बताया कि कर्मचारियों की प्रमुख मांग है कि सीएमओ की उपस्थिति में नियोजक (ठेकेदार) और कर्मचारियों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की जाए। उनका कहना है कि ठेकेदार या उसका प्रतिनिधि समय पर उपलब्ध नहीं रहता, जिससे कर्मचारियों की समस्याएं लंबित रहती हैं और मनमानी की स्थिति बनी रहती है। नेताओं ने बताया कि कर्मचारियों को वितरित किए गए कई ईएसआई कार्ड त्रुटिपूर्ण हैं, जिन्हें सात दिवस के भीतर सुधारने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन तीन माह बीतने के बाद भी सुधार नहीं किया गया। वहीं वेतन भुगतान भी निर्धारित तिथि पर नहीं हो रहा है। 15 से 20 दिन की देरी से वेतन मिलने के कारण कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।यूनियन की मांग पर सीएमओ ने ठेकेदार को कांकेर बुलाकर त्रिपक्षीय बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह बैठक नगर पालिका के इतिहास में पहली बार सीएमओ, ठेकेदार एवं कर्मचारी प्रतिनिधियों की संयुक्त उपस्थिति में आयोजित की जाएगी, जिसे कर्मचारी एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल मान रहे हैं। बैठक में प्रत्येक माह वेतन पर्ची वितरण, निर्धारित तिथि पर वेतन भुगतान तथा अन्य लंबित मांगों पर निर्णय लिया जाएगा। साथ ही होली पर्व से पूर्व फरवरी माह का वेतन भुगतान सुनिश्चित कराने पर भी सहमति बनी है। सफाई एवं बिजली विभाग के कर्मचारियों के लिए सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने की मांग पर सीएमओ ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक सुरक्षा सामग्री वितरित करने के निर्देश दिए। प्रतिनिधिमंडल में भाव सिंह कश्यप, द्वारका कोसरिया, कामेंद्र गिरी, दिलीप साहू।

समय-सीमा में काम पूरा करें गुणवत्ता से समझौता नहींः कलेक्टर

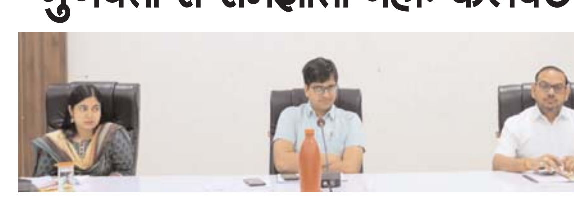

बीजापुर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में कलेक्टर संबित मिश्रा ने जिले में चल रही योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने स्वीकृत निर्माण कार्यों को तय समय-सीमा के भीतर और बेहतर गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

अधोसंरचना कार्यों पर फोकस-बैठक में नियद नेल्लानार क्षेत्रों में जारी अधोसंरचना निर्माण की स्थिति पर विशेष चर्चा हुई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि कार्यों में तेजी लाई जाए और नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि परियोजनाएं समय पर पूरी हों। सैचुरेशन शिविरों की उपलब्धियों की भी समीक्षा की गई और निर्देश दिए गए कि योजनाओं का लाभ हर पात्र हितग्राही तक पहुंचे।

दस्तावेज बनाने की प्रक्रिया आसान करने के निर्देश-कलेक्टर ने आधार पंजीयन में तेजी लाने पर जोर देते हुए जन्म प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र, राशन कार्ड समेत जरूरी दस्तावेज लोगों को सरल प्रक्रिया से उपलब्ध कराने को कहा। खासतौर पर नक्सल पीड़ित परिवारों और आत्मसमर्पित व्यक्तियों को समय पर दस्तावेज देने के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाने के निर्देश दिए।

दुर्गेश जोशी जिला कार्यसमिति सदस्य नियुक्त , क्षेत्र में हर्ष की लहर

कोण्डागांव। दुर्गेश जोशी को भारतीय जनता पार्टी जिला कोंडागांव की जिला कार्यसमिति में सदस्य नियुक्त किए जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में हर्ष का माहौल है। उनकी नियुक्ति को संगठन के प्रति उनके समर्पण, सक्रियता और निरंतर जनसेवा का परिणाम माना जा रहा है। पार्टी पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि जोशी के अनुभव एवं संगठनात्मक क्षमता से जिले में पार्टी को और अधिक मजबूती मिलेगी। लंबे समय से संगठन से जुड़े जोशी विभिन्न सामाजिक एवं जनहितकारी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। नियुक्ति की घोषणा के बाद समर्थकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर श्री जोशी ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्व का पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा जिले में पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

बस्तर में बाल संरक्षण की अनूठी मिसाल

कलेक्टर आकाश छिकारा ने सराहनीय कदम उठाए हैं बस्तर में बच्चों 5 को सुरक्षित भविष्य के लिए पोस्टर परिवारो को सौंपा

बच्चों को सुरक्षित भविष्य के लिए फोस्टर परिवारों को सौंपा

जगदलपुर । जगदलपुर में बाल संरक्षण और बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में जिला प्रशासन ने एक अत्यंत संवेदनशील और सराहनीय कदम उठाया है। कलेक्टर आकाश छिकारा द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग की फोस्टर केयर योजना के अंतर्गत दो जागरूक परिवारों को कुल 5 बच्चों की जिम्मेदारी विधिवत सौंपी गई। जिला बाल कल्याण समिति के आदेशानुसार पूर्ण की गई इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य उन बच्चों को एक सुरक्षित और स्नेहपूर्ण पारीवारिक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिन्हें विशेष देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता है।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर कलेक्टर - छिकारा ने फोस्टर परिवारों से सीधा संवाद करते हुए बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, उत्तम शिक्षा और उनके समग्र पालन-पोषण को लेकर आवश्यक समझाइश देते हुए कहा कि प्रशासन बाल संरक्षण तंत्र को निरंतर सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इन परिवारों को भविष्य में भी हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। बस्तर के इन दो परिवारों द्वारा 5 बच्चों के संरक्षण की जिम्मेदारी उठाना न केवल एक मानवीय पहल है, बल्कि यह ग्राम स्तर पर सामुदायिक भागीदारी और संवेदनशील नेतृत्व का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी पेश करता है। इस पूरी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न करने में प्रशासनिक तालमेल और तकनीकी विशेषज्ञता का विशेष योगदान रहा। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष नरेन्द्र पाणिग्राही, सदस्य श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव, श्रीमती धनेश्वरी वर्मा, सन्तोष जोशी, रामकृष्ण ठाकुर सहित जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज सिन्हा और जिला बाल संरक्षण अधिकारी डॉ. विजय शंकर शर्मा की टीम ने बच्चों के सर्वोत्तम हित को सर्वोपरि रखते हुए इस कार्य को सुनिश्चित किया। वहीं तकनीकी सहयोगी के रूप में सीईएसी-यूनिसेफ के जिला अधिकारी रमेश कुमार दास ने फोस्टर केयर प्रक्रिया, क्षमता निर्माण और पारदर्शी दस्तावेजीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सामुदायिक जागरूकता और प्रशासनिक तत्परता के समन्वय से शुरू हुई यह पहल न केवल इन पाँच बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगी, बल्कि समाज में बाल अधिकारों के प्रति एक नई संवेदनशीलता भी जागृत करेगी। यह कदम भविष्य में जिले के भीतर बाल संरक्षण की एक सुदृढ़ और व्यवस्थित प्रणाली स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

टीचर्स एसोसिएशन के प्रयास से जिले में अब तक 480 शिक्षक बने एचएम

जिले के कई पदोन्नत प्रधान पाठकों ने स्कूलों में किया कार्यभार ग्रहण

कवर्धा। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के सतत प्रयास से जिले में कार्यरत एलबी संवर्ग के 80 शिक्षकों को प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक पद में पदोन्नति का लाभ मिला है। पदोन्नति पश्चात पदांकन के लिए विगत 12 व 13 फरवरी को दुर्ग में कॉउंसलिंग सम्पन्न हुआ, जिन्हें स्थान चयन पश्चात संभागीय संयुक्त संचालक द्वारा तत्काल पदांकन आदेश जारी किया गया। अब पदोन्नत शिक्षकों ने कार्यभार ग्रहण करना प्रारंभ कर दिया है। इसी तारतम्य में एसोसिएशन की टीम ने जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार चन्द्रवंशी के नेतृत्व में संघ के सक्रिय सदस्य रामसिंह साहू के कार्यभार ग्रहण के समय कवर्धा ब्लॉक के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रबेली में उपस्थित रहकर उत्साहवर्धन किया। जिलाध्यक्ष डॉ. चन्द्रवंशी ने बताया कि बीस वर्ष के दीर्घकालिक संघर्ष के बाद सन 2018 में शिक्षाकर्मियों का स्कूल शिक्षा विभाग में संविलियन कर शासकीयकरण किया गया था। संविलियन के बाद टीचर्स एसोसिएशन के वन टाइम रिलेक्सेशन की थीम को शासन ने स्वीकार करते हुए पदोन्नति के लिए निर्धारित पांच वर्ष के अनुभव को घटाकर तीन वर्ष किया। इसके आधार पर सन 2022 में जिले के 301 शिक्षकों को प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक में पहली बार पदोन्नति मिला। दूसरे बार सन 2025 में 99 शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ प्राप्त हुआ। एसोसिएशन के प्रयास से प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक पद में अब 2026 में तीसरे बार 80 शिक्षकों को पदोन्नति मिला है। इस प्रकार अब तक जिले के कुल 480 शिक्षकों को प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक के पद पर पदोन्नति का अवसर मिला है। उन्होंने सभी पदोन्नत शिक्षकों को बधाई देते हुए पदोन्नत पद पर शीघ्र कार्यभार ग्रहण कर पदीय दायित्वों का बेहतर निर्वहन करते हुए शिक्षा गुणवत्ता में सुधार हेतु कार्य करने का आव्हान किया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने पदोन्नति हेतु स्थानीय विधायक व छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, छ्ग शासन, संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी सहित प्रत्यक्ष-प्रत्यक्ष सहयोग प्रदान करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार चन्द्रवंशी, ब्लॉक अध्यक्ष गोकुल जायसवाल सुरतिया साहू, उमेश चन्द्रवंशी, प्रेमिश शर्मा, जयप्रकाश चन्द्रवंशी, सनत तिवारी, मुरली झरिया, शिव धुर्वे, हुकमीचंद धुर्वे, संदीप चंद्रवंशी, श्रवण साहू, दीपक चंद्रवंशी, छली वर्मा, पूनम धुरवे, एल्वीना विल्सन, राजेश वर्मा, दिलीप धुर्वे, करूणा चंद्रवंशी, राजेंद्र सोनी, रामशरण मेरावी, राजेंद्र निर्मलकर, दिलीप मिश्रा, मीना साहू, लक्ष्मी रावटे, जयप्रकाश तिवारी, संध्या रावटे, रमेश चंद्रवंशी, पुष्पा मानिकपुरी, राधेश्याम यादव, जलेश साहू, देवेंद शर्मा, कपूर चंद्रवंशी, तरूण रैकवार, नरेश साहू, भागवत साहू, हरीश धुर्वे, विनोद चंद्रवंशी, पुरषोत्तम साहू, प्यारेलाल साहू, कौशल खांडे, राजकुमार झारिया, शिवकुमार चंद्रवंशी, अनुपा लांझेकर, चंद्रहास वर्मा, सागर मानिकपुरी, जयप्रकाश चंद्राकर, नम्रता झा, धनुष यादव, राजकमल पांडेय, रामकुमार वर्मा, सत्ते लाल पटेल, सौखीलाल महिला, सुरेश वासनिक, जंतराम साहू, रामकुमार धुर्वे, प्रह्लाद चंद्रवंशी, राजकुमार कुर्रे, वंदना मसीह, मूलचंद चंद्रवंशी, सनत वर्मा, जितेन्द्र सोनवानी, चंद्रमौली शर्मा, शत्रुहन लांझी, ज्योतिष चन्द्राकर, मीना साहू, कुमार साहू आदि उपस्थित थे।

शिखर युवा मंच द्वारा ग्राम बैजलपुर के बाजार परिसर में निःशुल्क विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर आयोजित

कवर्धा। एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से शिखर युवा मंच द्वारा संचालित एसबीआई संजीवनी एमएमयू टीम कबीरधाम द्वारा 16 फरवरी को ग्राम बैजलपुर के बाजार परिसर में निःशुल्क विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह विशेष शिविर आंख, कान, नाक एवं गला (ईएनटी) रोगों की जांच एवं उपचार हेतु आयोजित किया गया, जिसमें आसपास के 12 ग्रामों से आए कुल 153 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को उनके निवास स्थान के समीप गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा गंभीर रोगों की समय रहते पहचान कर उचित उपचार की दिशा में अग्रसर करना था। शिविर में मरीजों का पंजीयन, प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण, विशेषज्ञ परामर्श एवं आवश्यक जांच की व्यवस्था की गई थी। कुल 58 लोगों की लैब जांच की गई, वहीं 51 लोगों की नेत्र जांच की गई। जांच के उपरांत 28 मरीजों को त्वरित ऑपरेशन के लिए रेफर किया गया, ताकि उन्हें शीघ्र समुचित उपचार मिल सके। इस स्वास्थ्य शिविर में मुख्य चिकित्सक डॉ. लोकेश चन्द्रवंशी एवं उनकी टीम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोडला से उपस्थित रहे। साथ ही पीके गुप्ता (ओएओ) एवं उनकी टीम जिला अस्पताल कबीरधाम से भी विशेष रूप से शामिल हुई। इसके अतिरिक्त डॉ. लखन सिंह राजपूत एवं डॉ. पुन्नी दास मानिकपुरी ने भी अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान कीं। सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने अत्यंत समर्पण भाव से मरीजों की जांच एवं परामर्श किया। शिविर के सफल आयोजन में ग्राम बैजलपुर की सरपंच श्रीमती ममता आदालत मेरावी, ग्राम सिंघारी के सरपंच एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मितानिन कार्यकर्ताओं बालकुमारी, रम्भा बाई, बिंदा बाई, रसीला बेगम, लता बाई एवं मतिया बाई ने ग्रामीणों को जागरूक करने, शिविर तक लाने एवं व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई। ग्राम सचिव आरके साहू ने भी शिविर प्रबंधन में सक्रिय सहयोग देते हुए आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने में योगदान दिया। एसबीआई संजीवनी एमएमयू टीम द्वारा किए गए इस प्रयास की ग्रामीणों ने सराहना की तथा भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की। यह शिविर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

अंबागढ़ चौकी के हितागुटा ग्राम में सामुदायिक शौचालय का लोकार्पण, स्वच्छता की दिशा में अहम कदम,ग्रामीणों को मिलेगी सुविधा, स्वास्थ्य सुरक्षा और स्वच्छता

मोहला। जनपद पंचायत अंबागढ़ चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत हितागुटा के ग्राम ठेठवारलझिया क्रमांक-3 में गत दिवस नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामवासियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।उद्घाटन अवसर पर ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती सरोज मंडावी, ग्राम पटेल तथा जनपद पंचायत अंबागढ़ चौकी के अनुविभागीय अधिकारी श्री आकाश सोनकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही तकनीकी सहायक एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत विकासखंड समन्वयक ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय का निर्माण ग्रामीणों की सुविधा, स्वास्थ्य सुरक्षा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। सुविधा के प्रारंभ होने से खुले में शौच की समस्या दूर होगी एवं सम्मानजनक जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए जिला प्रशासन एवं ग्राम पंचायत के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिले में महिलाओं को आजीविका से जोड़ने विशेष पहल, स्व-सहायता समूहों को मिल रहा प्रोत्साहन

मोहला। जिले के समग्र विकास में महिलाओं की भागीदारी को सशक्त बनाने की दिशा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहित कर महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। विशेष रूप से समूहों को वनोपज संग्रहण, प्रसंस्करण, संधारण एवं विपणन से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 13 फरवरी को सीईओ जिला पंचायत श्रीमती भारती चंद्राकर द्वारा विकासखंड मानपुर के खड़गांव संकुल अंतर्गत भ्रमण किया गया। ग्राम पंचायत दोरबा में आईडब्लूएमपी योजना के तहत आयोजित बैठक में 08 ग्राम संगठनों के अध्यक्ष, सचिव एवं स्व-सहायता समूह की लगभग 77 महिलाओं से संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान महिलाओं को वनोपज आधारित आजीविका गतिविधियां जैसे संग्रहण, प्रसंस्करण, पैकेजिंग एवं बाजार में विपणन के लिए प्रेरित किया गया। भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) अंतर्गत ग्राम बोरिया में संचालित ठेकेदारी आजीविका डबरी का निरीक्षण कर कार्य की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। सीईओ जिला पंचायत ने महिलाओं को शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़कर स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसर विकसित करने पर विशेष जोर दिया। इस पहल से न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है, बल्कि जिले के समावेशी एवं सतत विकास को भी नई गति मिल रही है।

जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने आमजन की सुनीं समस्याएं , जनदर्शन में 45 आवेदन प्राप्त हुए

बेमेतरा। जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत बीते सोमवार को कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया।सोमवार को आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 45 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चलित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए।

महाशिवरात्रि पर अटल आवास में नव निर्मित शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा

बीजापुर। महाशिवरात्रि के अवसर पर अटल आवास, चिकटराज वार्ड क्रमांक-14 में नव निर्मित शिव मंदिर की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। अटल आवास मंदिर समिति की ओर से आयोजित यह दो दिवसीय कार्यक्रम शनिवार और रविवार को संपन्न हुआ।शनिवार को बीजापुर के गायत्री मंदिर से शिवलिंग को बाजा-गाजा और डीजे के साथ शोभायात्रा निकालकर नए मंदिर तक लाया गया। यात्रा के दौरान पूरा वार्ड भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। जगह-जगह श्रद्धालु शोभायात्रा के स्वागत में खड़े नजर आए। रात में मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन हुआ, जहां देर तक लोग भगवान शिव की भक्ति में लीन रहे।रविवार सुबह वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

ग्राम पंचायत गुधेली की सीमा निषाद बनीं लखपति दीदी, मछली पालन से बदल गई जीवन की कहानी

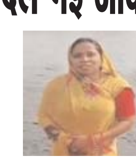

बेमेतरा। ग्राम पंचायत गुधेली की रहने वाली सीमा निषाद, जिन्होंने मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर न केवल अपने जीवन को बदला बल्कि अपने परिवार और समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी बन गई हैं। सीमा दीदी ÷मां लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह÷ की सदस्य बनकर 2020 में अपने सशक्तिकरण की यात्रा शुरू की। समूह में शामिल होने से पहले दीदी पारंपरिक मजदूरी करती थीं और जीवन के आर्थिक संकट से जूझ रही थीं। लेकिन समूह के प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के बाद दीदी ने अपने व्यवसायिक कौशल और नेतृत्व क्षमता को निखारा और नए अवसरों की तलाश शुरू की।

मछली पालन से सशक्तिकरण की कहानी-दीदी ने ग्राम पंचायत में मछली पालन के लिए अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इसके बाद ऋद्ध/ष्टद्बद्ध के माध्यम से ग्राम पंचायत का तालाब किराए पर लिया और मछली पालन के लिए लोन प्राप्त कर तालाब में बीज डाले। मत्स्य विभाग से आवश्यक जाल और उपकरण प्राप्त करने के बाद दीदी ने मेहनत और लगन के साथ अपने तालाब में मछली पालन शुरू किया।

18 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का शंखनाद: भटगांव क्षेत्र में सड़कों, तालाब घाट और अधोसंरचना निर्माण का भूमिपूजन

भटगांव विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को मिली रफ्तार, ग्रामीणों को बेहतर आवागमन और मूलभूत सुविधाओं का भरोसा

सूरजपुर। प्रदेश में संतुलित और समावेशी विकास की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के प्रयास लगातार तेज किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री और भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र में लगभग 18.38 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन और प्रारंभ पूजन किया।

शिवनंदनपुर में 3.41 करोड़ के निर्माण कार्यों का शुभारंभ-ग्राम शिवनंदनपुर स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में अधोसंरचना मद से 3.41 करोड़ रुपए की लागत वाले कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इनमें नकना तालाब घाट निर्माण, फुटपाथ निर्माण, अटल परिसर निर्माण, आर.सी.सी. नाली तथा बी.टी. रोड निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं। इन कार्यों से गांव की आधारभूत सुविधाओं में सुधार और स्थानीय स्तर पर आवागमन एवं जनसुविधाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

लगभग 15 करोड़ से दो प्रमुख सड़कों का निर्माण और चौड़ीकरण-लोक निर्माण विभाग अंतर्गत 14.97 करोड़ रुपए की लागत से दो महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण और चौड़ीकरण का भी भूमिपूजन किया गया। इसमें भटगांव से अनरोखा मार्ग (6.00 किमी) के निर्माण एवं चौड़ीकरण के लिए 878.50 लाख रुपए तथा पकनी से चेन्द्रा मार्ग (5.60 किमी) के निर्माण एवं चौड़ीकरण के लिए 618.63 लाख रुपए की स्वीकृति शामिल है। इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा, व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी और शिक्षा तथा सामाजिक जीवन से जुड़ी सुविधाओं तक पहुंच आसान होगी।

ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देने की बात-इस अवसर पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के अधोसंरचना विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। शासन का उद्देश्य नागरिकों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाना और विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश भी दिए।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि और नागरिक रहे उपस्थित-कार्यक्रम में वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, जनप्रतिनिधिगण, विभागीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर उत्साह और अपेक्षा दोनों साफ दिखाई दिए।

युवती की मौत के बाद प्रशासन की खुली नींद, विश्वास क्लीनिक को किया गया सील

सारंगढ़। झोला छाप डॉक्टर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। गली गली गांव गांव में क्लीनिक खोलकर गंभीर बीमारियों का इलाज करने में लगे हुए है। वहीं स्वास्थ्य विभाग जान कर भी अनजान बना हुआ है। यही वजह है कि जिले में अवैध तरीके से संचालित क्लीनिकों की बाढ़ सी गई है।मामला बिलाईगढ़ के बंगलाभाटा में चल रहे 'विश्वास क्लीनिक' का काला चिट्ठा अब जनता के सामने आ गया है।

जिसे इलाज का मंदिर समझा जा रहा था, वह बिना एनओसी (ह्लह्रष्ट) के धड़ल्ले से मौत का व्यापार कर रहा था। प्रशासन की संयुक्त टीम ने दबिश देकर इस क्लीनिक को सील कर दिया है, लेकिन पीछे छोड़ गया है कई गंभीर सवाल।जांच में पाया गया कि क्लीनिक के पास नगर पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र (ह्लह्रष्ट) तक नहीं था। पिछले दो साल से बिना वैध कागजों के क्लीनिक चलाया जा रहा था। स्थानीय चर्चाओं के अनुसार, देवरबोड गांव की एक युवती की गलत इलाज के कारण मौत हो गई। हालांकि प्रशासन को लिखित शिकायत का इंतज़ार है, लेकिन धुआं वहीं उठता है जहां आग लगी होडॉक्टर नदारद, पिता के भरोसे इलाज- चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ कि क्लीनिक के संचालक डॉ. सौरभ विश्वास अक्सर गायब रहते थे और उनके पिता (जो कि डॉक्टर नहीं हैं) क्लीनिक की कमान संभालते थे।क्या मरीजों की जान इतनी सस्ती है? डॉ. विश्वास का 'बचाव' या 'बहानेबाजी'? ?क्लीनिक संचालक डॉ. सौरभ विश्वास ने खुद को पाक-साफ बताते हुए कहा ?÷मैने सिर्फ गैस का इंजेक्शन दिया था। युवती को हार्ट की समस्या थी, इसलिए बाहर रेफर किया। मेरी अनुपस्थिति में क्लीनिक सील करना गलत है।÷?सवाल यह है जब क्लीनिक के पास वैध कागजात ही नहीं थे, तो वहां इंजेक्शन लगाने की हिम्मत कैसे हुई? क्या प्रशासन की यह कार्रवाई ÷देर आए दुरुस्त आए÷ वाली श्रेणी में है?प्रशासन का सख्त रुख=?एसडीएम प्रफुल्ल रजक और तहसीलदार कमलेश सिदार के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई ने इलाके के अन्य अवैध क्लीनिक संचालकों में हड़कंप मचा दिया है। प्रशासन अब उस मृत युवती के मामले की भी तहकीकात कर रहा है।

स्वत्वाधिकारी , प्रकाशक, एवं मुद्रक ज्वाला प्रसाद अग्रवाल द्वारा असमा पब्लिशर्स प्रा. लि. जयस्तंभ चौक, रायपुर, पिन - 492001 छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं झुलेलाल मंदिर के पीछे, पाटनकर कालोनी, सिंधी कालोनी, दुर्ग पिन- 491001 (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - ज्वाला प्रसाद अग्रवाल । e mail - jwalaexpress@gmail.com , मोबाईल- 9993590905, 7000489995